www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
20 अगस्त 2026
वर्षः 49
अंकः 108 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

भीषण सड़क हादसा, चार की मौत, तीन घायल

देहरादून। देहरादून–हरिद्वार हाईवे पर डोईवाला क्षेत्र में मणिमाई मंदिर के पास बुधवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। हादसा पिकअप वाहन और इको वैन के बीच जोरदार टक्कर के बाद हुआ। दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि इको वैन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसा सुबह करीब 10:40 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि देहरादून की ओर से हरिद्वार की तरफ जा रहे पिकअप वाहन का पिछला टायर अचानक निकल गया। टायर निकलने के बाद पिकअप अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे डिवाइडर से जा टकराया। इसी दौरान पीछे से आ रही इको वैन पिकअप वाहन से जा भिड़ी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि इको वैन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में वाहन में सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत–बचाव दल मौके पर पहुंचा और क्षतिग्रस्त वाहनों से घायलों को बाहर निकाला गया।

अस्पताल पहुंचने के बाद चार की मौत

हादसे में गंभीर रूप से घायल लोगों को तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने पर दो घायलों को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं उपचार के दौरान दो अन्य घायलों ने भी दम तोड़ दिया। इसके बाद हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई।

मृतकों में 42 वर्षीय नरेश पुत्र महावीर, निवासी टिकट वाली गली, रेलवे रोड, रोहतक (हरियाणा) की पहचान हुई है। एक अन्य मृतक के भी रोहतक, हरियाणा का निवासी होने की जानकारी सामने आई है। वहीं दो मृतकों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस उनकी पहचान के प्रयास में जुटी है।

तीन घायलों का अस्पताल में उपचार

हादसे में घायल तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में विक्की पुत्र रामभरोसे, निवासी ग्राम गिन्नौर, बदायूं (उत्तर प्रदेश) की पहचान हुई है। अन्य दो घायलों की पहचान और उनकी स्थिति की जानकारी जुटाई जा रही है। गंभीर रूप से घायलों को चिकित्सकों की निगरानी में उपचार दिया जा रहा है।

पुलिस और राहत टीम ने संभाला मोर्चा

दुर्घटना की सूचना मिलते ही डोईवाला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और राहत–बचाव टीम ने क्षतिग्रस्त वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला और एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया।

हादसे के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर पिकअप वाहन का पिछला टायर निकलना दुर्घटना की प्रमुख वजह बताई जा रही है, लेकिन पुलिस दुर्घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है।

पुलिस मृतकों और घायलों की पूरी पहचान जुटाने के साथ ही हादसे की परिस्थितियों की जानकारी भी एकत्र कर रही है। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों से भी जानकारी ली जा रही है।

हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर वाहनों की फिटनेस और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। खासतौर पर भारी और व्यावसायिक वाहनों के टायर, ब्रेक तथा अन्य तकनीकी हिस्सों की नियमित जांच को लेकर सतर्कता बरतने की जरूरत सामने आई है।

बिहार को एक और अमृत भारत की मिली सौगात

- भागलपुर को अहमदाबाद से जोड़ेगी जनरल डिब्बे नहीं होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार को एक और अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात मिली है। यह ट्रेन दक्षिण बिहार के भागलपुर को गुजरात के अहमदाबाद से जोड़ेगी। सप्ताह में एक दिन चलने वाले इस ट्रेन की शुरुआती यात्रा आगामी 26 अगस्त को अहमदाबाद से शुरू होगी। हम बता रहे हैं इस ट्रेन का टाइम टेबल, चलने का दिन और स्टॉपेज के बारे में। रेलवे सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अहमदाबाद से भागलपुर के बीच चलने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की सेवा सप्ताह में सिर्फ एक दिन मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्रों का आंदोलन हो गया खत्म

- सरकार के निर्णय के बाद प्रदर्शनकारियों ने लिया फैसला

रांची (एजेंसी)। जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितता के खिलाफ रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में छात्रों का आंदोलन समाप्त हो गया। बुधवार को जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच ने आंदोलन समाप्त करने का ऐलान किया। हालांकि दूसरे गुट के छात्र आगे की रणनीति पर बैठक

कर रहे हैं और जल्द ही उनकी ओर से भी आंदोलन को समाप्त किए जाने की घोषणा किए जाने का संकेत दिया गया है। जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंचके छात्र नेता रामावतार महतो ने फिलहाल अपने प्रदर्शन को समाप्त करने की। उन्होंने बताया कि परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच की ओर से पिछले 25 जुलाई से अनिश्चितकालीन सत्याग्रह शुरू किया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मंच की सभी प्रमुख मांगों को मान लिया है। छात्र हित में सरकार की ओर से लिए गए फैसले के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। प्रदर्शनकारी नेता रामावतार ने कहा कि सरकार की ओर से सभी फैसला छात्र हित में लिया गया है और यह फैसला ऐतिहासिक है।

कोलकाता की पांच मंजिला बिल्डिंग में लगी भीषण आग

- 9 लोगों की मौत, इनमें कुछ बांग्लादेशी नागरिक शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के मिर्जा गालिब स्ट्रीट स्थित पांच मंजिला बिल्डिंग में मंगलवार रात करीब 1.45 बजे आग लग गई। बिल्डिंग के अंदर कई होटल थे। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, इनमें 2 महिलाएं और एक 4 साल का बच्चा शामिल है। सभी बेहोशी की

हालत में मिले थे। 6 लोग घायल हुए हैं। अब तक 80 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। आग लगने के वक्त होटलों में ज्यादातर लोग सो रहे थे। बिल्डिंग में धुआं भरने के कारण उनका दम घुटने लगा। मरने वालों में भारतीय और बांग्लादेशी नागरिक शामिल हैं। लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। आग की सूचना मिलते ही दमकल की 5 गाड़ियां, पुलिस और डिजास्टर मैनेजमेंट की टीमें मौके पर पहुंचीं।

जेनजी को साधने में लगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

- तीन दिन की समन्वय बैठक में तय किया जाएगा रोडमैप
- युवाओं को केंद्र में रखकर रोजगार, शिक्षा पर चर्चा होगी
- नशा मुक्ति और जनसांख्यिकीय असंतुलन भी प्रमुख मुद्दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर के साथ ही रांची में हुए छात्र आंदोलन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भी जोर युवाओं की ओर बढ़ा है। इसलिए 19 से 21 अगस्त के बीच विशाखापत्तनम में सरसंघचालक व सरकार्यवाह की मौजूदगी में भाजपा, एबीवीपी समेत 32 संगठनों के शीर्ष पदाधिकारियों की अखिल भारतीय समन्वय बैठक होने जा रही है।

इस बैठक में युवाओं को केंद्र में रखते हुए एक रोडमैप तैयार किया जाएगा। प्रति वर्ष होने वाली इस समन्वय बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह और अन्य केंद्रीय अधिकारियों की विशेष

मौजूदगी रहेगी। कुल 327 प्रतिनिधियों के आने की उम्मीद है। इस बैठक में युवा आंदोलनों के साथ शिक्षा व परीक्षा व्यवस्था को लेकर उनकी दिक्कतों व अपेक्षाओं के साथ उनके लिए बड़ा मुद्दा बन रहे रोजगार पर भी चर्चा होगी। स्वरोजगार प्रेरित करने पर भी जोर होगा। शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों को अब युवा लक्षित करने पर विशेष जोर है। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं, आने वाले समय में सभी संगठन उस दिशा में क्या कर सकते हैं, इस पर भी बैठक में चर्चा होगी। नशा मुक्ति के साथ ही युवाओं में जागृति लाने के लिए अन्य विषयों पर भी विचार विमर्श होगा। बैठक में देश की वर्तमान स्थिति, सामाजिक परिवर्तन और समस्याओं के समाधान की समीक्षा की जाएगी। जनसांख्यिकीय असंतुलन, डेमोग्राफिक बदलाव के परिणामों और उठाए जाने वाले आवश्यक कदमों पर भी विचार-विमर्श होगा।

संघ के प्रति बढ़ा युवाओं का आकर्षण

संघ शताब्दी वर्ष में युवाओं का आरएसएस के प्रति आकर्षण बढ़ा है। संघ की वेबसाइट पर ज्वॉइन आरएसएस के माध्यम से वर्ष 2025 में जनवरी से जुलाई के बीच 55 हजार 423 लोगों ने संघ से जुड़ने के लिए पंजीकरण करवाया था। 2026 में इसी अवधि के बीच यह संख्या ढाई गुना बढ़कर एक लाख 23 हजार 287 हो गई है। जुलाई 2025 में इनकी संख्या 9718 रही, जबकि जुलाई 2026 में 24 हजार 86 लोगों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 30 वर्ष से कम आयु के युवा करीब 65 प्रतिशत हैं।

अंकिता भंडारी हत्याकांड: तीनों दोषियों की जमानत याचिकाएं खारिज

नैनीतालः बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में नैनीताल हाईकोर्ट ने तीनों दोषियों को बड़ा झटका दिया है। हाईकोर्ट ने पुलकित आर्य, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। बुधवार को हुई सुनवाई के बाद अदालत ने तीनों को जमानत देने से इनकार कर दिया। तीनों दोषियों की ओर से हाईकोर्ट में जमानत के लिए दलीलें रखी गई थीं। मामले में दो दिन तक चली लंबी सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने अपने पक्ष में विभिन्न तर्क अदालत के सामने रखे। बुधवार को खंडपीठ ने इन दलीलों पर सुनवाई पूरी करने के बाद तीनों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं।

निचली अदालत से मिल चुकी है उम्रकैद की सजा

अंकिता भंडारी हत्याकांड में कोटद्वार की अदालत ने पिछले वर्ष 30 मई को पुलकित आर्य, सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। तीनों ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दायर की है और इसी प्रक्रिया के दौरान जमानत के लिए भी अदालत का रुख किया था। हाईकोर्ट द्वारा जमानत याचिकाएं खारिज किए जाने के बाद तीनों दोषी फिलहाल जेल में ही रहेंगे। वहीं उनकी ओर से दायर मुख्य अपील पर न्यायिक प्रक्रिया आगे जारी रहेगी।

2022 में सामने आया था मामला

अंकिता भंडारी ऋषिकेश के पास स्थित वनंतरा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करती थीं। सितंबर 2022 में उनके लापता होने के बाद मामला सामने आया था।

कुछ दिनों बाद चीला बैराज से उनका शव बरामद हुआ था। इस घटना ने पूरे उत्तराखंड में व्यापक आक्रोश पैदा किया था। मामले में पुलिस ने रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य समेत सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को गिरफ्तार किया था। बाद में मामला अदालत पहुंचा और सुनवाई के बाद तीनों को दोषी ठहराया गया।

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा-पूरी प्रक्रिया बेहद गोपनीय रखी जाती है

नीट परीक्षा सिस्टम फुलप्रूफ इसमें सेंध लगाना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट परीक्षा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। पेपर तैयार करने से लेकर एग्जाम सेंटर में

पहुंचने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीयता रखा जाता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से यूपीएससी जैसा मजबूत परीक्षा सिस्टम बनाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी समझने वाले अधिकारियों को शामिल करना चाहिए। साथ ही अनुभवी अधिकारियों के बार-बार ट्रांसफर से बचने की सलाह दी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने बाद दोबारा कहा कि एनटीए को यूपीएससी की तरह ऐसा मजबूत सिस्टम बनाना चाहिए, जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद भी संस्था के पास बना रहे। कोर्ट ने कहा कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर दिख सकती है।

बिहार में छात्रों के समर्थन में आरजेडी का प्रदर्शन

- तेजस्वी यादव हिरासत में लिए गए, वाटर कैनन चलाई गई

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीवान में छात्र आंदोलन के दौरान एके-47 से फायरिंग के मामले को लेकर तेजस्वी यादव बुधवार को सड़क पर उतरे। उन्होंने पटना में जेपी गोलंबर से राजभवन तक मार्च निकाला। करीब 5 किलोमीटर लंबे मार्च में उनके साथ करीब 5 हजार समर्थक मौजूद रहे। समर्थकों के साथ तेजस्वी डाकबंगले पर लगाई बैरिकेडिंग तोड़कर आगे निकल गए। इनकम टैक्स चौराहे पर पुलिस ने वाटर कैनन चलाई। इसके बाद तेजस्वी को हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा कि मैं जेल से

डरने वाला नहीं हूं। हमारे भगवान श्री कृष्ण का जन्म जेल में ही हुआ था।

मीसा भारती ने कहा- डीएम को हटाए जाने तक हम डटे रहेंगे

प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बातचीत में राजद की नेता मीसा भारती ने कहा कि राजद कार्यकर्ता और बिहार के छात्र जेल जाने के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जब तक सीवान के डीएम को सस्पेंड नहीं किया जाता है, तब तक हम डटे रहेंगे। वाटर कैनन के इस्तेमाल के सवाल पर उन्होंने कहा कि ये तो बहुत छोटी बात है, अगले कुछ दिनों में सरकार बंदूकों का इस्तेमाल करती भी दिखाई दे सकती है। इससे पहले मीसा भारती ने कहा, छात्रों के साथ जो अन्याय हुआ है, आज कम से कम बीस से पच्चीस दिन गुजर गए हैं, फिर भी सरकार नींद से नहीं जानी है।

- ट्रांसपोर्ट मंत्री बोले-पहले नोटिस देंगे, 3 महीने में नहीं सीखे तो लाइसेंस रद्द होगा

मराठी नहीं जानने वाले महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे

मुंबई (एजेंसी)। मराठी भाषा नहीं जानने वाले ड्राइवर अब महाराष्ट्र में ऑटो-टैक्सी नहीं चला पाएंगे। राज्य सरकार 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू करने वाली है, जिनके पास मराठी का 'वर्किंग नॉलेज' नहीं है। ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने बुधवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने

पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा। यह अभियान पूरे राज्य में एक महीने तक चलेगा। अतिरिक्त परिवहन आयुक्त रवि गायकवाड़ पूरे महाराष्ट्र में इस एक महीने के अभियान की निगरानी करेंगे। परिवहन की फ्लाइंग स्क्वॉड ऑटो और टैक्सी ड्राइवरों की जांच करेंगी और नए नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, यह देखेंगी। जांच के दौरान वेरिफिकेशन की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की जाएगी।

वर्किंग नॉलेज का मतलब साफ नहीं, ड्राइवरों में चिंता

सेवा सारथी ऑटो-रिक्शा टैक्सी एंड ट्रांसपोर्ट यूनियन के नेता डीएम गोसावी ने कहा कि सरकार ने मराठी का वर्किंग नॉलेज होना जरूरी कर दिया है, लेकिन यह साफ नहीं किया कि आखिर कितनी मराठी जानना जरूरी होगी। उनका कहना है कि नियम स्पष्ट नहीं होने पर ग्रुप में भ्रष्टाचार और ड्राइवरों के आर्थिक शोषण की आशंका बढ़ सकती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो-टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आए हुए हैं और उन्हें मराठी नहीं आती है। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर यूपी, बिहार और दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का डर है।

करीब 6 लाख ड्राइवरों को मराठी सिखाने की योजना

सरकार के मुताबिक, महाराष्ट्र में करीब 9.16 लाख ऑटो-रिक्शा और 61,657 टैक्सियां हैं। इनमें बड़ी संख्या मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में चलती हैं। सरकार करीब 6 लाख ऑटो-टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सीखने की पहल से जोड़ना चाहती है। सरनाईक ने बताया कि कुछ महीने पहले शुरू किए गए इस अभियान में अब तक 1,65,601 ड्राइवर शामिल हो चुके हैं। महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ऑटो और टैक्सी ड्राइवर दूसरे राज्यों से आते हैं। इनमें कई ड्राइवरों को मराठी नहीं आती या वे बहुत कम मराठी बोल पाते हैं। ऐसे ड्राइवरों को लाइसेंस और परमिट रद्द होने का डर है।

रक्षाबंधन पर महिलाओं को मुख्यमंत्री ने बड़ी सौगात दी

28-29 अगस्त को रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश की महिलाओं को बड़ी सौगात दी है। रक्षाबंधन के अवसर पर 28 एवं 29 अगस्त 2026 को उत्तराखंड की महिलाएं प्रदेश के भीतर उत्तराखंड परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों में शत-प्रतिशत किराया छूट के साथ निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। उत्तराखंड शासन द्वारा इस संबंध में आदेश जारी कर उत्तराखंड परिवहन निगम को आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश के अनुसार रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर 28 और 29 अगस्त को प्रदेश की महिलाओं को उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों में यात्रा के लिए कोई किराया नहीं देना होगा। रक्षाबंधन पर्व पर बड़ी संख्या में महिलाएं अपने मायके एवं परिजनों से मिलने के लिए यात्रा करती हैं। राज्य सरकार की इस पहल से उन्हें सुरक्षित, सुगम एवं निःशुल्क सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलेगी। सरकार का उद्देश्य पर्व के दौरान महिलाओं के आवागमन को आसान बनाना तथा उन्हें आर्थिक राहत प्रदान करना है। इस संबंध में अपर सचिव उत्तराखंड शासन रीना जोशी ने शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि महिलाओं को निःशुल्क यात्रा सुविधा प्रदान किए, जाने के फलस्वरूप उत्तराखंड परिवहन निगम को होने वाले व्ययभार की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा की जाएगी। परिवहन विभाग ने निगम को शासनादेश के अनुरूप तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। रक्षाबंधन पर प्रदेश की बहनों के लिए धामी सरकार का यह निर्णय महिला सम्मान, सुविधा और सशक्तिकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल है।

छात्रों को संचार और डिजिटल कौशल के बारे में बताया

नई टिहरी। सेवा योजन विभाग की ओर से कौशल विकास योजना के तहत इंटर कॉलेज छापराधार में कॅरियर काउंसलिंग और गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें छात्र–छात्राओं को संचार कौशल, कंप्यूटर एवं डिजिटल कौशल, समय प्रबंधन और टीम वर्क से कार्य करने आदि की जानकारी दी गई। कॅरियर काउंसलिंग और गाइडेंस कार्यक्रम में सेवा योजन अधिकारी लक्ष्मी यादव ने कहा कि समय की मांग के अनुरूप खुद को तैयार करना चाहिए। किसी भी कार्य में सफलता अर्जित करने के लिए कड़ी मेहनत और एकाग्रता जरूरी है। प्रधानाचार्य गबर सिंह चौहान ने बताया कि छात्रों के लिए मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर विजय चंद्र बहुगुणा, सरिता नेगी, सुभाष उनियाल और जगत सिंह आदि मौजूद थे।

ग्रामीणों का ऐलान-रोड नहीं तो वोट नहीं

देहरादून। राजधानी से महज 15 किलोमीटर दूर पौंधा ग्राम पंचायत के मजरे मेहरकोट में सड़क की बदहाली को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश अब आंदोलन में बदलता दिखाई दे रहा है। करीब 200 मीटर सड़क के निर्माण की मांग को लेकर वर्षों से संघर्ष कर रहे ग्रामीणों ने विधानसभा चुनाव से पहले रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा बुलंद करते हुए चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी है। ग्रामीणों के मुताबिक मेहरकोट पहुंचने वाला रास्ता बेहद खतरनाक स्थिति में है। बरसात में मलबा, भू–कटाव और पेड़ गिरने से आवाजाही मुश्किल हो जाती है। हाल ही में बारिश के बाद रास्ता क्षतिग्रस्त होने पर ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने खुद श्रमदान कर मार्ग को किसी तरह चलने लायक बनाया।

इलाज से स्कूल तक हर कदम पर संकट

सड़क के अभाव का सबसे बड़ा असर ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ रहा है। बीमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाना हो या आपात स्थिति में वाहन गांव तक पहुंचाना हो, हर बार मुश्किल खड़ी होती है। बच्चों को भी दुर्गम रास्तों से पैदल स्कूल जाना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि रास्ते में गुलदार दिखाई देने से बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार गांव का सरकारी स्कूल भी दुर्गम परिस्थितियों के चलते वर्षों पहले बंद हो चुका है। सुविधाओं के अभाव में गांव से पलायन को भी बढ़ावा दिया है। कभी अच्छी आबादी वाले मेहरकोट में अब करीब 10–12 परिवार ही रह गए हैं।

विधायक निधि से बना हिस्सा भी जर्जर

ग्रामीणों का कहना है कि कुछ वर्ष पूर्व विधायक निधि से सड़क के एक हिस्से का निर्माण कराया गया था, लेकिन करीब 200 मीटर मार्ग आज भी अधूरा है। जो हिस्सा बना था, वह भी समय के साथ जर्जर हो चुका है। ग्रामीणों के मुताबिक वन विभाग से संबंधित अनुमति और नियमों का पेंच सड़क निर्माण में बाधा बना हुआ है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब अन्य वन क्षेत्रों में सड़क निर्माण का रास्ता निकाला जा सकता है तो मेहरकोट के लिए समाधान क्यों नहीं निकाला जा रहा।

एक नजर

तमक नाला और टीएचडीसी टनल हादसे की होगी मजिस्ट्रियल जांच

गोपेश्वर। चमोली जिले में तमक नाला और टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में हुए हादसों की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश जिलाधिकारी ने दिए हैं। तमक नाला हादसे की जांच के लिए एसडीएम ज्योतिर्मठ और टीएचडीसी टनल हादसे के लिए एसडीएम चमोली को जांच अधिकारी नामित किया गया है। दोनों अधिकारियों को 15 दिन में जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं ।बीते 10 अगस्त को तमक नाले में अतिवृष्टि के बाद तेज पानी और मलबे की चपेट में पुल, मार्ग और राष्ट्रीय राजमार्ग–107 पर तीन वाहन प्रभावित हुए थे। इनमें बीआरओ के दो वाहन शामिल हैं, जबकि एक पिकअप/लोडर बह गया। वहीं 13 अगस्त को पीपलकोटी में टीएचडीसी की निर्माणाधीन टनल में भारी जल प्रवाह और मलबा आने से हादसा हुआ था। घटना के समय 22 श्रमिक टनल में कार्य कर रहे थे। जांच में दुर्घटना के कारणों, संभावित लापरवाही, सुरक्षा मानकों और भविष्य में हादसे रोकने के उपायों की पड़ताल की जाएगी।

चेक बाउंस में आरोपी को अपील के दौरान जमानत

गोपेश्वर। चेक बाउंस के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश (शिविर न्यायालय कर्णप्रयाग) बिंध्याचल सिंह की अदालत ने आरोपी महावीर प्रसाद को अपील के दौरान जमानत दे दी है। साथ ही निचली अदालत की ओर से सुनाई गई सजा के आदेश पर भी फिलहाल रोक लगा दी है। मामला चमोली जिला सहकारी बैंक से जुड़ा है। चेक बाउंस के मामले में निचली न्यायालय ने 23 जुलाई 2026 को महावीर प्रसाद को छह माह के साधारण कारावास और 3.10 लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई थी। इसके बाद आरोपी ने सजा के खिलाफ अपील दाखिल की थी।

अपील पर सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से अधिवक्ता ने अदालत में जमानत और सजा स्थगित करने की मांग की। बचाव पक्ष ने कहा कि आरोपी सुनवाई के दौरान जमानत पर था और उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर है। अदालत ने आरोपी को 30 हजार रुपये के व्यक्तिगत बंधपत्र तथा इतनी ही राशि के दो जमानती प्रस्तुत करने पर अपील के दौरान जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए। साथ ही अर्थदंड की 20 प्रतिशत राशि 60 दिन में विचारण न्यायालय में जमा करने के दिए गए।

ज्ञानसू–डोबरा सड़क का नहीं हो पाया डामरीकरण कार्य

नई टिहरी। ज्ञानसू–डोबरा सड़क का लंबे समय से सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य नहीं होने से ग्रामीण जोखिम पूर्ण आवाजाही करने को मजबूर हैं। डामरीकरण न किए जाने ग्रामीणों में विभाग के प्रति आक्रेाश बना है ।लोक निर्माण विभाग चंबा ने वर्ष 2016–17 में ज्ञानसू –डोबरा 8 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य करवाया था। नौ वर्ष बीतने के बाद भी सड़क डामरीकरण कार्य नहीं हो पाया। सगवान गांव के ग्राम प्रधान प्रदीप सजवाण, राजेंद्र नेगी, राकेश गुसाईं तथा डोबरा के परशुराम चमोली ने बताया कि ग्रामीणों के लंबे संघर्ष के बाद ज्ञानसू–सगवान गांव–डोबरा गंगलोगी सड़क का निर्माण हो पाया लेकिन कई साल बीत जाने के बाद भी सड़क पक्की नहीं हो पाई। सड़क कच्ची होने के सड़क की स्थिति दयनीय बनी है ।बारिश से सड़क पर जगह–जगह गड्ढे बने गए हैं। जगह–जगह मलबा आने ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क संकरी होने के कारण वाहनों को आवाजाही में करने में दिक्कतें होती है। जिला मुख्यालय और खंड ब्लॉक कार्यालय चंबा जाने के लिए सगवान गांव, डोबरा, महड़, क्यारी, दंदेली सहित कई अन्य गांव के ग्रामीण आवाजाही करते हैं। सड़क पर सुरक्षा की दृष्टि से न तो पैराफिट और न ही क्रॅास बैरियर है। सड़क की खस्ताहाल होने के कारण वाहन दुर्घटना का भय बना रहता है।

सड़क बनने के चार साल बाद भी मुआवजे का इंतजार

पुरोला। पांवझसिरगा मोटर मार्ग की कटिंग से जमीन और फसल गंवाने वाले सिरगा के ग्रामीण चार साल बाद भी मुआवजे के लिए भटक रहे हैं। प्रभावित किसानों ने उपजिलाधिकारी पुरोला मुकेश रमोला को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्ष 2022–23 में सड़क निर्माण के दौरान कटिंग और मलबे की चपेट में आने से उनकी उपजाऊ भूमि क्षतिग्रस्त हो गई। कई किसानों के सेब, अखरोट और खुबानी के फलदार पेड़ नष्ट हुए जबकि चौलाई, मंडुवा और राजमा जैसी फसलें भी बरबाद हो गईं। नुकसान का आकलन किए जाने के बावजूद प्रभावितों को अब तक प्रतिकर नहीं मिल पाया है।

104 हेल्थ हेल्पलाइन : कॉल सेंटर से 'प्रोएक्टिव हेल्थ सिस्टम' तक पहुंचा उत्तराखंड

अस्पताल में रजिस्ट्रेशन के बाद शुरू होता है फॉलोअप

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मेडिकल, पुलिस और अग्निशमन सेवाओं के लिए 108 नंबर से लगभग हर कोई परिचित है, लेकिन उत्तराखंड में 104 हेल्थ हेल्पलाइन पिछले एक दशक में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी, शिकायत निवारण और लाभार्थियों की सक्रिय निगरानी का अहम माध्यम बन गई है। खास बात यह है कि यह व्यवस्था केवल नागरिकों की कॉल का जवाब नहीं देती, बल्कि जरूरतमंद मरीजों तक खुद पहुंचकर उनके स्वास्थ्य और उपचार की स्थिति का फॉलोअप भी करती है। स्वास्थ्य निदेशालय, देहरादून में संचालित 104 कॉल सेंटर अब तक एक करोड़ 38 लाख से अधिक स्वास्थ्य संबंधी कॉल कर चुका है। यह व्यवस्था राज्य के सभी 13 जिलों में 27 स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों से जुड़े लाभार्थियों तक पहुंच बना रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, जवाबदेह और नागरिक केंद्रित बनाने पर जोर दे रही है। इसी सोच के तहत 104 हेल्पलाइन को केवल सूचना देने वाले कॉल सेंटर के बजाय प्रोएक्टिव हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम के रूप में विकसित किया गया है।

इस व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत इसका प्रोएक्टिव ट्रैकिंग सिस्टम है। राज्य के किसी भी जिले में स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में मरीज के पंजीकरण के बाद संबंधित जानकारियां 104 कॉल सेंटर पहुंचाई जाती है। इसके बाद स्वास्थ्य संबंधी चुनौती से जूझ रहे लाभार्थी से नियमित रूप से संपर्क कर उसकी स्थिति की जानकारी ली जाती है। खासतौर पर गर्भवती महिलाओं के मामले में यह व्यवस्था और महत्वपूर्ण हो जाती है। गर्भावस्था के तीसरे महीने से लेकर प्रसव तक टीकाकरण और जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं का फॉलोअप किया जाता है। बच्चे के जन्म के बाद करीब डेढ़ वर्ष तक उसके स्वास्थ्य और टीकाकरण की स्थिति पर भी नजर रखी जाती है, ताकि जरूरी टीके और स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिल सकें।

27 स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी निगरानी

104 कॉल सेंटर आयुष्मान भारत योजना, आशा कार्यकर्ता, बाल स्वास्थ्य, चारधाम यात्रा, काउंसलिंग, डेंगू, प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास, ई-संजीवनी, हीमोफीलिया, हेपेटाइटिस, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, एचआईवी, एचपीवी, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह, मातृ स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, टीबी और थैलेसीमिया समेत विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़े लाभार्थियों से संपर्क करता है। इसके अलावा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम और एंटी रेबीज सेवाओं के तहत लाभार्थियों को जरूरी जानकारी और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए परामर्श भी दिया जाता है।

सिर्फ जानकारी नहीं, योजनाओं की डिलीवरी की भी पड़ताल

104 की भूमिका यहीं खत्म नहीं होती। कॉल सेंटर के माध्यम से मरीजों से सीधे फीडबैक लिया जाता है। केंद्र और राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं के तहत मिलने वाले वित्तीय लाभ और प्रोत्साहन की जानकारी भी लाभार्थियों से क्रॉस-चेक की जाती है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि योजनाओं का लाभ वास्तव में पात्र व्यक्ति तक पहुंचा या नहीं। एक दशक के सफर में 104 हेल्थ हेल्पलाइन ने यह साबित किया है कि एक टोल-फ्री नंबर सिर्फ फोन उठाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच, निगरानी, फॉलोअप और जवाबदेही का प्रभावी तंत्र भी बन सकता है।

स्वास्थ्य सेवाओं को जन-केंद्रित बनाना प्राथमिकता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। 104 हेल्थ हेल्पलाइन इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो केवल नागरिकों की समस्याओं का समाधान नहीं कर रही, बल्कि लाभार्थियों तक स्वयं पहुंचकर उनकी स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर निगरानी और फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है।

बिधौली चौकी में छात्र की बेरहमी से पिटाई

देहरादूनः प्रेमनगर थाना क्षेत्र की बिधौली चौकी में वढएर के छात्रों के साथ कथित मारपीट और बदसलूकी का मामला अब चौकी स्तर से निकलकर पुलिस और शासन के आला अधिकारियों तक पहुंच गया है। छात्रों की ओर से पूरे घटनाक्रम की शिकायत ई–मेल के माध्यम से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, स्रढ देहरादून, उर्क्क देहरादून, मुख्यमंत्री कार्यालय और टर्ट्ड्ड५ समेत संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है। शिकायत की एक प्रति वढएर के डीन और कॉलेज के अन्य अधिकारियों को भी उपलब्ध कराई गई है।

छात्र अमृतम अंशुमन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसे आरसी दिखाने के बहाने बिधौली चौकी के अंदर एक ऐसे कमरे में ले जाया गया, जहां सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा था। छात्र का दावा है कि कमरे के भीतर करीब 7–8 पुलिसकर्मियों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। आरोप यह भी है कि उसके कपड़े उतरवाए गए।

अंशुमन के मुताबिक, जब उसने पुलिसकर्मियों को बताया कि वह बिहार का रहने वाला है, तो उसके साथ कथित तौर पर और अधिक मारपीट की गई। छात्र ने पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उसका कहना है कि चौकी परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग और घटनाक्रम से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच की जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

छात्रा ने भी लगाए गंभीर आरोप

मामले में लॉ की छात्रा मीनाक्षी ने भी पुलिसकर्मियों के व्यवहार को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा के अनुसार, वह अपने साथी के बारे में जानकारी लेने चौकी के पास पहुंची थीं। आरोप है कि वहां मौजूद पुरुष पुलिसकर्मियों ने उनके साथ धक्का–मुक्की की और उन्हें धमकी दी। छात्रों का आरोप है कि घटनाक्रम के बाद जब वे अपनी शिकायत लेकर प्रेमनगर थाने पहुंचे तो उनकी शिकायत दर्ज करने में भी कथित तौर पर आनाकानी की गई। इसके बाद छात्रों ने वरिष्ठ अधिकारियों और शासन स्तर पर शिकायत भेजने का निर्णय लिया।

हेल्पलाइन से लेकर पुलिस अधिकारियों तक पहुंची शिकायत

छात्रों की ओर से भेजी गई शिकायत में मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। साथ ही आरोप सही पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। छात्रों का कहना है कि पुलिस जैसी जिम्मेदार संस्था में किसी भी व्यक्ति के साथ कानून के दायरे से बाहर जाकर व्यवहार नहीं होना चाहिए। मामला अब पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचने के बाद जांच और कार्रवाई की उम्मीद बढ़ गई है। f

पीपलडाली–म्यूंडा आठ किमी सड़क कटिंग का कार्य शुरू

लंबगांव (टिहरी)। प्रातपनगर विधानसभा क्षेत्र में म्यूंडा और थात–ननवां क्षेत्र के लोगों को जिला मुख्यालय पहुंचने के लिए अब लंबा सफर नहीं करना पड़ेगा। क्षेत्र में पीपलडाली–म्यूंडा ललवाली आठ किमी मोटर मार्ग बनने के बाद क्षेत्र के लोगों को पीपलडाली पहुंचने के लिए करीब 10 किमी की दूरी कम हो जाएगी ।प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने मोटर मार्ग का शिलान्यास कर रोड कटिंग का कार्य शुरूकराया। उन्होंने कहा कि यह सड़क बनने से क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांव के लोगों को लाभ मिलेगा। पीपलडाली–म्यूंडा ललवाली मोटर मार्ग बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। कई साल इंतजार के बाद अब सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। बुधवार को प्रतापनगर विधायक नेगी ने 67.06 लाख रुपये की लागत से आठ किमी लंबी सड़क का शिलान्यास किया। स-सारपुल, थात, ननवां, चौंदाणा और सुनहरी गाड क्षेत्र के दो दर्जन से अधिक गांव के लोगों को पीपलडाली होते हुए नई टिहरी और चंबा जाने के लिए करीब 10 किमी कम दूरी नापनी पड़ेगी।

परीक्षा देने के बाद भी दिखा दिया अनुपस्थित

उत्तरकाशी। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के पीजी कॉलेज के बीए, बीएससी और बीकॉम के छात्र–छात्राओं ने प्रदर्शन किया। उन्हें परीक्षा देने के बाद भी अनुपस्थित या बैक दिखाया गया है। समर्थ पोर्टल से उनके परिणाम भी गायब हो गए हैं। छात्रों ने कहा कि विश्वविद्यालय की गलती से उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में विभिन्न छात्र संगठन और विद्यार्थियों ने नारेबाजी की। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ विरोध जताया। कॉलेज गेट पर कुलपति का पुतला भी दहन किया गया। छात्रों ने विश्वविद्यालय की लापरवाही को भविष्य के लिए खतरा बताया। कई विद्यार्थियों के परिणाम में अनुपस्थित, रिजल्ट लेटर और बैक दर्शाया गया है। तकनीकी लापरवाही के कारण समर्थ पोर्टल पर अंक भी गायब हैं, जबकि वे पहले पोर्टल पर देखे जा रहे थे। प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को आईडी कार्ड नहीं मिलने से भी परेशानी है। इन कमियों के बावजूद उनसे परीक्षा शुल्क लिया जा रहा है। छात्रों ने चेतावनी दी कि सुधार न होने पर उग्र आंदोलन होगा। प्रदर्शनकारी छात्र–छात्राओं ने परिणामों की दोबारा जांच की मांग की। उन्होंने परीक्षा रिकॉर्ड और उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन को कहा। सही अंक परिणाम में जोड़ने की मांग भी रखी गई। समर्थ पोर्टल से गायब परिणामों को जल्द अपडेट करने को कहा गया।

उचित मुआवजे के लिए श्रमिकों ने निकाला जुलूस

पीपलकोटी। टीएचडीसी की पीपलकोटी–विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना की निर्माणाधीन टनल हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिकों के आश्रितों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर श्रमिकों ने बुधवार को जुलूस निकाला। उन्होंने टीएचडीसी गेट पर कंपनी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि जब तक मृतकों के आश्रितों को मुआवजा नहीं मिल जाता आंदोलन को जारी रखा जाएगा। बुधवार को फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया के नेतृत्व में एचसीसी वर्कर्स यूनियन मायापुर मायापुर पीपलकोटी के श्रमिकों ने जुलूस निकाला। श्रमिकों ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिक परिवारों का मुख्य सहारा थे। उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है। प्रभावित परिवारों के भविष्य को सुरक्षित रखने के लिए उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू अभियान पूरा हो चुका है लेकिन प्रभावित परिवारों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने टीएचडीसी प्रबंधन से जल्द वार्ता कर मुआवजे के मुद्दे का समाधान करने की मांग की है। ऑल इंडिया फेडरेशन के महासचिव सोहन कुमार ने कहा कि प्रभावित परिवारों की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है। कहा कि जल्द इस मांग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को व्यापक किया जाएगा। इस दौरान हाट गांव के पूर्व प्रधान राजेंद्र हटवाल, पूर्व ज्येष्ठ उपप्रमुख पंकज हटवाल, गोपाल नेगी, हरीश बिष्ट, पंकज पुरोहित, पवन खंडूड़ी, विजय नेगी सहित बड़ी संख्या में परियोजना के श्रमिक शामिल रहे।

अल्मोड़ा के रवि टम्टा की उड़ान ने मचाई हलचल

अल्मोड़ा। उत्तराखंड के अल्मोड़ा से स्वदेशी दिशा में काम कर रहे नवाचारी रवि टम्टा इन दिनों अपने हापिडा स्काईनेक्स प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में हैं। व्यक्तिगत हवाई परिवहन की संभावनाओं को लेकर काम कर रहे रवि टम्टा ने नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू से मुलाकात कर अपने प्रोजेक्ट की तकनीक, भविष्य की संभावनाओं और आगे की परीक्षण एवं प्रमाणन प्रक्रिया को लेकर चर्चा की।

मुलाकात के दौरान रवि टम्टा ने हापिडा स्काईनेक्स की कार्यप्रणाली और इसकी भविष्य की संभावनाओं के बारे में केंद्रीय मंत्री को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परियोजना का उद्देश्य केवल एक उड़ने वाला वाहन तैयार करना नहीं है, बल्कि भारत में सड़क आधारित परिवहन के साथ–साथ भविष्य की संभावनाओं को तलाशना भी है।

रवि टम्टा ने स्वदेशी तकनीक के माध्यम से व्यक्तिगत हवाई परिवहन का विकल्प विकसित करने की अपनी सोच भी मंत्री के सामने रखी। बातचीत में परियोजना के तकनीकी विकास के साथ उड़ान सुरक्षा, नियामकीय मानक, परीक्षण प्रक्रिया और संभावित प्रमाणन जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा हुई।

तीन मिनट की उड़ान ने खींचा लोगों का ध्यान

हापिडा स्काईनेक्स प्रोजेक्ट की चर्चा उस समय और तेज हुई, जब अल्मोड़ा में इसके प्रोटोटाइप का उड़ान परीक्षण किया गया। 8 अगस्त को हुए परीक्षण के दौरान प्रोटोटाइप करीब तीन मिनट तक हवा में रहा और एचएनबी खेल स्टेडियम क्षेत्र में उड़ान भरी।

इस परीक्षण के बाद स्वदेशी तकनीक और व्यक्तिगत हवाई परिवहन को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है।

परियोजना से जुड़े लोगों के मुताबिक, इस तरह के प्रोटोटाइप भारत में विकसित हो रही संभावनाओं को सामने लाने की दिशा में महत्वपूर्ण शुरुआती कदम हैं।

डाकपत्थर मेन चौक पर भारी जलभराव

विकासनगर। क्षेत्र में हुई मूसलाधार बारिश के बाद डाकपत्थर मेन चौक और आसपास के इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। तेज बारिश के चलते सड़कें पानी से लबालब हो गईं, वहीं बरसाती पानी का निकास नहीं होने के कारण एसडीआरएफ कार्यालय परिसर में भी गंदा पानी घुस गया। डाकपत्थर मेन चौक पर जलभराव के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सड़क पर काफी मात्रा में पानी जमा होने से आवागमन भी प्रभावित हुआ। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान हर साल क्षेत्र में जलभराव की समस्या सामने आती है, लेकिन इसके स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में नालियों और जलनिकासी मार्गों की समय पर सफाई नहीं होने के कारण बारिश का पानी सड़कों पर जमा हो जाता है। कई स्थानों पर नालियां कचरे और गाद से भरी होने के कारण पानी की निकासी ठीक से नहीं हो पा रही है। सबसे गंभीर स्थिति उस समय देखने को मिली जब बरसाती पानी एसडीआरएफ कार्यालय परिसर तक पहुंच गया। एसडीआरएफ जैसी आपदा राहत एवं बचाव एजेंसी के कार्यालय में ही पानी घुसने से क्षेत्र की जलनिकासी व्यवस्था और मानसून से पहले की तैयारियों पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभागों से डाकपत्थर मेन चौक सहित आसपास के क्षेत्रों में जलनिकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने, नालों की नियमित सफाई कराने और बारिश के दौरान जलभराव वाले स्थानों का स्थायी समाधान करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जलनिकासी व्यवस्था को ठीक नहीं किया गया तो लगातार हो रही बारिश के बीच स्थिति और गंभीर हो सकती है।

टीएचडीसी को मिली भल्डगांव के विस्थापन की ड्रोन सर्वे रिपोर्ट

चिन्यालीसौड़। ग्रामसभा भल्डगांव के विस्थापन एवं पुनर्वास की मांग को लेकर ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को आठवें दिन भी जारी रहा। इस बीच टीएचडीसी के डीजीएम पुनर्वास राकेश थपलियाल ने बताया कि भल्डगांव से संबंधित ड्रोन सर्वे रिपोर्ट आईआईटी रुड़की से प्राप्त हो गई है। रिपोर्ट का अध्ययन किया जा रहा है और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार और पटवारी धरना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने गांव की मौजूदा स्थिति, पूर्व में कराए गए आईआईटी, ड्रोन समेत अन्य सर्वे और लंबे समय से उठाई जा रही विस्थापन की मांग को अधिकारियों के सामने रखा। अधिकारियों ने शासन को प्रस्ताव भेजने का आश्वासन दिया। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि अब केवल आश्वासन और प्रस्ताव की बातें स्वीकार नहीं होंगी। उन्होंने भल्डगांव को तत्काल सुरक्षित स्थान पर विस्थापित कर उचित पुनर्वास की मांग की। साथ ही पूर्व में कराए गए आईआईटी ड्रोन सर्वे और अन्य सर्वे रिपोर्टों को सार्वजनिक करने की मांग उठाई। आंदोलनकारी गोपीनाथ रावत ने कहा कि यदि प्रशासन ग्रामीणों को आंदोलन से उठाना चाहता है तो पहले विस्थापन और पुनर्वास का ठोस समाधान करे।

दुकानें हटाने का विरोध, व्यापारियों ने शुरु किया अनिश्चितकालीन धरना

प्रशासन की ओर से स्टेशन रोड में दुकानें हटाने के लिए दिए गए थे नोटिस

कोटद्वार के स्टेशन रोड में धरने पर बैठे व्यापारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रेलवे स्टेशन के बाहर खोखानुमा दुकानों को हटाए जाने के विरोध में व्यापारियों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरु कर दिया है। व्यापारियों ने जल्द दुकानें हटाने का निर्णय वापस नहीं लेने पर कोटद्वार बंद की चेतावनी दी है। कहा कि व्यापारी उक्त स्थान पर दशकों से दुकानें चला रहे हैं। ऐसे में अब उनके समक्ष रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रवीण भाटिया के नेतृत्व में व्यापारियों ने स्टेशन रोड के किनारे अनिश्चितकालीन धरना शुरु किया। व्यापारियों का कहना है कि दशकों पूर्व नगर पालिका बनने के बाद उन्हें स्टेशन रोड में व्यापार करने के लिए जगह उपलब्ध करवाई गई थी। उनकी कई पीढ़ियों ने इस स्थान पर दुकान चलाई है। लेकिन, आज अचानक सरकारी सिस्टम ने उन्हें इस जगह को खाली करने का फरमान सुना दिया। बताया कि व्यापारियों का परिवार इन छोटी दुकानों के ही भरोसे चल रहा है। ऐसे में उनका यह रोजगार छीन जाने से उनके समक्ष रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। कहा कि उन्हें यहां से हटाने से पूर्व कहीं अन्यत्र शिफ्ट करने की योजना बनाई जानी चाहिए। यदि जल्द ही इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो वह आंदोलन को तेज करने के लिए मजबूर होंगे। इसके तहत कोटद्वार में यातायात व बाजार को बंद करवाया जाएगा। कहा कि इस संबंध में वह अधिकारी व जनप्रतिनिधियों को भी अवगत करवा चुकें हैं।

युवा संगम फेज-7 के लिए 31 अगस्त तक करें पंजीकरण

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत आयोजित युवा संगम फेज-7 के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 अगस्त 2026 कर दी गई है। इच्छुक विद्यार्थी आधिकारिक युवा संगम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। युवा संगम फेज-7 में उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ीदार राज्य बनाया गया है। इसके तहत हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर और आईआईटी खड़गपुर को जोड़ीदार मेजबान संस्थान बनाया गया है। चयनित विद्यार्थियों को शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से दूसरे राज्य की यात्रा करने और वहां की संस्कृति, परंपरा, शिक्षा तथा विभिन्न पहलुओं को समझने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के लिए उत्तराखंड के उच्च शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत यूजी, पीजी एवं पीएचडी विद्यार्थी तथा राज्य के ऑफ-कैंपस युवा आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक विद्यार्थियों को ऑनलाइन पंजीकरण कराना होगा। चयनित एवं शॉर्टलिस्ट किए गए विद्यार्थी ही युवा संगम फेज-7 में भाग ले सकेंगे।

अबादी में पहुंच रहा गुलदार, दहशत में लोग

गिवईस्रोत, कालाबड़ सहित अन्य क्षेत्रों में बनी है धमक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जंगल से सटे आबादी क्षेत्रों में गुलदार की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। आए दिन गुलदार गिवईस्रोत, कालाबड़ की गलियों में घूमता हुआ नजर आ रहा है। हर दिन गुलदार स्ट्रीट डाग्स व पालतू कुत्तों को अपना निवाला बना रहा है। लगातार शिकायत के बाद भी वन विभाग इस समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। ऐसे में कब मानव वन्य जीव संघर्ष हो जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता। यही नहीं ध्रुवपुर-कण्वाश्रम मार्ग पर तो आमजन का आवागमन भी चुनौती बन गया है।

कोटद्वार का अधिकांश भाग लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र से सटा हुआ है। यही कारण है कि जंगल से सटे आबादी क्षेत्रों में जंगली जानवरों की धमक बनी रहती है। करीब एक माह पूर्व सनेह क्षेत्र में गुलदार ने घास लेने जा रही एक महिला पर हमला कर दिया था। एक सप्ताह पूर्व ही सनेह में गुलदार ने सुबह की सैर पर निकले बुजुर्ग पर भी हमला किया। कुछ दिन पूर्व शिवपुर क्षेत्र में भी गुलदार ने घर की छत में बैठी एक बुजुर्ग पर हमला किया। गिवईस्रोत व कालाबड़ क्षेत्र में हर रोज गुलदार गलियों में घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। गिवईस्रोत निवासी संदीप सिंह, राम सिंह, सतेंद्र कुमार ने बताया कि क्षेत्र में पिंजरा लगवाने के लिए वह कई बार जनप्रतिनिधि व अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं। बावजूद अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। हालत यह है कि शाम ढलते ही ग्रामीणों का घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल हो जाता है। सबसे आधिक चिंता बच्चों व बुजुर्गों को लेकर बनी रहती है। वहीं, ध्रुवपुर-कण्वाश्रम मार्ग पर भी आए दिन गुलदार घूमता हुआ नजर आ रहा है। कई बार गुलदार सड़क किनारे हाथी सुरक्षा दीवार के ऊपर बैठा रहता है।

कोटद्वार में ध्रुवपुर-कण्वाश्रम मार्ग पर हाथी सुरक्षा दीवार के ऊपर बैठा गुलदार

संक्षिप्त समाचार

82 साल के कलम सिंह रावत ने किया देहदान

श्रीनगर गढ़वाल : आमतौर पर लोग मृत्यु के बाद की अपनी अंतिम यात्रा को लेकर सोचते हैं, लेकिन टिहरी जिले के कीर्तिनगर ब्लॉक के कुलेड़ी थाती डागर निवासी 82 वर्षीय कलम सिंह रावत ने अपनी मृत्यु के बाद भी उपयोगी बने रहने का फैसला लिया है। उन्होंने अपना शरीर चिकित्सा शिक्षा के लिए समर्पित करने का संकल्प लेते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर में देहदान का पंजीकरण कराया है।

बुधवार को मेडिकल कॉलेज पहुंचे कलम सिंह रावत ने परिवार की सहमति के बाद देहदान से संबंधित सभी औपचारिकताएं पूरी कीं। एनाटॉमी विभाग के एचओडी डॉ. अनिल द्विवेदी ने पंजीकरण प्रक्रिया पूरी कराने के बाद उन्हें देहदान का परिचय पत्र प्रदान किया। कलम सिंह रावत ने बताया कि देहदान का विचार उनके मन में काफी समय से था। उनका मानना है कि मनुष्य का शरीर मृत्यु के बाद भी समाज के लिए उपयोगी हो सकता है। इसी सोच के चलते उन्होंने पंडित सत्यानंद डंगवाल से चर्चा की और इसके बाद परिवार के सदस्यों की सहमति लेकर मेडिकल कॉलेज में देहदान का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि मृत्यु के बाद मेरा शरीर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के अध्ययन में काम आए, इससे बेहतर उपयोग और क्या हो सकता है। यदि नियमानुसार मेरे अंग किसी जरूरतमंद के काम आ सकें तो यह मेरे लिए सबसे बड़ी संतुष्टि होगी। एनाटॉमी विभाग के एचओडी डॉ. अनिल द्विवेदी ने बताया कि देहदान चिकित्सा शिक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। एमबीबीएस और पैरामेडिकल के विद्यार्थियों को मानव शरीर की वास्तविक संरचना को समझने में दान किए गए शरीर से महत्वपूर्ण व्यावहारिक ज्ञान मिलता है। उन्होंने बताया कि देहदान के लिए निर्धारित प्रपत्र भरकर पंजीकरण कराया जाता है। परिवार की सहमति समेत आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद देहदानकर्ता को परिचय पत्र दिया जाता है। उन्होंने समाज के अन्य लोगों से भी देहदान के प्रति जागरूक होने की अपील की। (एजेंसी)

गोबर प्लांट से रसोई तक गैस पहुंचाने की कवायद शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : आंचल डेयरी परिसर में तैयार गोबर गैस प्लांट से अब घरों की रसोई तक गैस पहुंचाने की कवायद शुरू हो गई है। बुधवार से डेयरी की आवासीय कॉलोनी में गैस पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया गया। पहले चरण में करीब 300 मीटर के दायरे में आने वाले लगभग 22 घरों को गोबर गैस कनेक्शन से जोड़ा जाएगा।

परियोजना को लेकर लंबे समय से चल रही तकनीकी तैयारियों के बाद अब पाइपलाइन बिछाने का काम धरातल पर दिखाई देने लगा है। कॉलोनी में पाइपलाइन बिछने के साथ ही घरों तक कनेक्शन देने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई जाएगी। केसी एग्रीटेक के सीनियर इंजीनियर सचिन बिष्ट ने बताया कि बुधवार से पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। प्रथम चरण में आंचल डेयरी की पूरी आवासीय कॉलोनी को शामिल किया गया है। करीब 300 मीटर के दायरे में स्थित लगभग 22 घरों तक गैस पहुंचाने के लिए पाइपलाइन और कनेक्शन का काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आवासीय कॉलोनी में गैस आपूर्ति व्यवस्था सुचारु होने के बाद परियोजना का दायरा बढ़ाया जाएगा। (एजेंसी)

प्रो. एचबीएस चौहान बनें बिड़ला परिसर के निदेशक

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय प्रशासन ने बिड़ला परिसर के प्रशासनिक कामकाज को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल किया है। विश्वविद्यालय के मानव विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एच.बी.एस. चौहान को बिरला परिसर का निदेशक नियुक्त किया गया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव की ओर से कार्यालय आदेश जारी किया गया।

कार्यालय आदेश के अनुसार प्रो. चौहान को यह जिम्मेदारी उनके वर्तमान दायित्वों एवं जिम्मेदारियों के अतिरिक्त सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से दो वर्ष या अधिवर्षता की तिथि, जो भी पहले हो, तक प्रभावी रहेगी। नियुक्ति विश्वविद्यालय अधिनियम, परिनियम तथा संबंधित अध्यादेश के तहत कुलपति द्वारा की गई है। इसके साथ ही एक्सटेंशन कैंपस-चौरास कैंपस के निदेशक पद को पुनर्निर्मित करते हुए एसोसिएट डायरेक्टर, एक्सटेंशन कैंपस-चौरास कैंपस कर दिया गया है। एसोसिएट डायरेक्टर को सक्षम प्राधिकारी की ओर से समय-समय पर सौंपे जाने वाले दायित्वों का निर्वहन करना होगा। विश्वविद्यालय ने बिड़ला परिसर के निदेशक की सहायता के लिए आगे चलकर दो संयुक्त निदेशक नियुक्त करने का भी निर्णय लिया है। इनमें एक पुरुष और एक महिला फैकल्टी सदस्य शामिल होंगे। संयुक्त निदेशक बिरला परिसर के निदेशक और कुलपति द्वारा समय-समय पर सौंपे जाने वाले कार्यों एवं जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, परिसर निदेशकों, अधिष्ठाताओं, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, प्रॉक्टर, मुख्य छात्रावास अधीक्षक तथा संबंधित अधिकारियों को बिरला परिसर के निदेशक और एक्सटेंशन कैंपस-चौरास के एसोसिएट डायरेक्टर को उनके दायित्वों के प्रभावी निर्वहन में आवश्यक सहयोग प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। इस प्रशासनिक बदलाव को विश्वविद्यालय के बिड़ला परिसर में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी, समन्वित और सुचारू बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ढह गई खोह नदी के तट पर बनी बाढ़ सुरक्षा दीवार, ग्रास्टनगंज में बढ़ा खतरा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : ग्रास्टनगंज क्षेत्र में खोह नदी के किनारे बाढ़ से बचाव के लिए बनाई गई सुरक्षा दीवार मंगलवार को तेज बारिश के दौरान नदी के उफान में ढह गई। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार की गई यह दीवार करीब छह वर्ष में ही जवाब दे गई। दीवार के क्षतिग्रस्त होने से निर्माण की गुणवत्ता और सरकारी निगरानी पर सवाल उठने लगे हैं।

स्थानीय लोगों के मुताबिक सुरक्षा दीवार पर लंबे समय से जगह-जगह दरारें दिखाई दे रही थीं। इसके बावजूद संबंधित विभाग की ओर से समय रहते स्थिति का जायजा नहीं लिया गया। न ही क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत कराई गई। मंगलवार को बारिश के बाद खोह नदी का जल स्तर बढ़ा और तेज बहाव ने कमजोर हो चुकी दीवार को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रास्टनगंज और आसपास के आबादी क्षेत्र को खोह नदी के कटाव से बचाने के उद्देश्य से तत्कालीन वन मंत्री एवं कोटद्वार के पूर्व विधायक डा. हरक सिंह रावत के कार्यकाल में इस सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया गया था। दीवार बनने के बाद क्षेत्रवासियों को नदी के कटाव और बाढ़ के खतरे से काफी राहत मिली थी। अब दीवार का बड़ा हिस्सा ढहने के बाद लोगों में चिंता बढ़ गई है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि नदी में दोबारा तेज उफान आता है तो आबादी क्षेत्र में बाढ़ और भू-कटाव का खतरा बढ़ सकता है। लोगों ने संबंधित विभाग से मौके का तत्काल निरीक्षण कराने, दीवार के निर्माण की गुणवत्ता की जांच करने और क्षतिग्रस्त हिस्से का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। क्षेत्रवासियों ने यह भी सवाल उठाया कि जब दीवार में पहले से दरारें दिखाई दे रही थीं तो समय रहते इसकी तकनीकी जांच क्यों नहीं कराई गई। उनका कहना है कि सरकारी निर्माण की नियमित निगरानी और समय पर मरम्मत होती तो करोड़ों रुपये की लागत से बनी सुरक्षा व्यवस्था इतनी जल्दी ध्वस्त नहीं होती।

खोह नदी के तट पर ढही सुरक्षा दीवार

नगर निगम की कार्यप्रणाली और वित्तीय प्रबंधन की दी जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी के अंतर्गत राज्य स्तरीय नगरीय विकास संस्थान, नैनीताल की ओर से नगर निगम सभागार में पार्षदों के लिए दो दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में पार्षदों को नगर निगम अधिनियम, निकायों की कार्यप्रणाली और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम के दौरान नगर निगम की संरचना, स्थायित्व, अधिकारियों के अधिकार एवं दायित्व तथा महापौर, नगर आयुक्त और पार्षदों की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षकों ने निकायों की आय बढ़ाने के संभावित स्रोतों और स्थानीय स्तर पर वित्तीय संसाधन मजबूत करने के उपाय भी बताए। प्रशिक्षक चंद्रकांत भट्ट ने नगर निगम की आय के स्रोत बढ़ाने और उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग पर जानकारी साझा की। मैत्रेई धूलिया ने उत्तराखंड अधिप्राप्ति नियमावली, टेंडर प्रक्रिया, वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद और स्थानीय बाजार सर्वेक्षण के आधार पर कोटेशन प्राप्त करने की प्रक्रिया को उदाहरणों के माध्यम से समझाया। राज्य नगरीय विकास संस्थान के कार्यक्रम निदेशक अनूप बमोला ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े प्रावधानों और संबंधित नियमावली की जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़े सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम निर्णयों से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी की आउटरीच पहल का हिस्सा है। इसके तहत अकादमी की ओर से प्रदेश के विभिन्न शहरी निकायों में जाकर जनप्रतिनिधियों और संबंधित कार्मिकों के लिए क्षमता संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य निकायों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना और जनप्रतिनिधियों को नियमों व व्यवस्थाओं की व्यावहारिक जानकारी उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम में महापौर शैलेंद्र सिंह रावत, नगर आयुक्त पीएल शाह, सहायक नगर आयुक्त चंद्रशेखर शर्मा सहित अन्य अधिकारी और पार्षद मौजूद रहे।

अनुभव और नई तकनीक का बेहतर तालमेल जरूरी

श्रीनगर गढ़वाल : खूबसूरत यादों को कैमरे में कैद करने वाले फोटोग्राफर बुधवार को विश्व फोटोग्राफी दिवस पर खुद एक मंच पर नजर आए। श्रीनगर में आयोजित बैठक में वरिष्ठ और युवा फोटोग्राफरों ने पेशे से जुड़ी चुनौतियों, बदलती तकनीक और संगठन की मजबूती को लेकर खुलकर चर्चा की। वरिष्ठ फोटोग्राफरों ने कहा कि समय के साथ फोटोग्राफी का स्वरूप तेजी से बदला है। ऐसे में अनुभव और नई तकनीक का बेहतर तालमेल जरूरी है। बैठक में नई पीढ़ी के फोटोग्राफरों को आगे बढ़ाने, आपसी सहयोग बढ़ाने और किसी भी समस्या पर एकजुट होकर आवाज उठाने पर सहमति बनी। सभी ने एकता हमारी ताकत, फोटोग्राफी हमारी पहचान के संदेश के साथ मिलकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। बैठक में विजय सिंह रावत, राजेश बडोनी, विपिन, सुरेंद्र, गणेश, अमित, मनोज गढ़िया, सुरेंद्र सिंह, सुमित, सुभाष, गौरव आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस ने जसवंत सिंह रावत के बलिदान को किया नमन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : महावीर चक्र विजेता राइफलमैन जसवंत सिंह रावत की जयंती पर कांग्रेस कमेटी की ओर से श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। अपर कालाबड़ स्थित पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने जसवंत सिंह रावत के साहस, शौर्य और युद्ध कौशल को देश के सैन्य इतिहास की गौरवशाली विरासत बताया।

कार्यक्रम की शुरुआत राइफलमैन जसवंत सिंह रावत के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस दौरान वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध में वीरगति को प्राप्त राइफलमैन गोपाल सिंह गुसाईं और लांस नायक त्रिलोक सिंह नेगी को भी श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि पौड़ी गढ़वाल के बाड्यू गांव में जन्मे जसवंत सिंह रावत ने वर्ष 1962 के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय दिया था। अरुणाचल प्रदेश के नूरानांग क्षेत्र में चीनी सेना के लगातार हमलों के बीच उन्होंने अपने साथियों गोपाल सिंह गुसाईं और त्रिलोक सिंह नेगी के साथ मोर्चा संभाला। तीनों जवानों ने दुश्मन की महत्वपूर्ण मशीनगन चौकी पर कार्रवाई कर उसे निष्क्रिय किया और चीनी सेना के हमले को प्रभावी ढंग से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की धरती ने देश की रक्षा के लिए अनेक वीर सपूत दिए हैं।

जसवंत सिंह रावत की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

जसवंत सिंह रावत समेत प्रदेश के वीर जवानों का शौर्य और बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उत्तराखंडवासियों के लिए यह गौरव की बात है कि देवभूमि की वीर परंपरा देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों के पराक्रम से लगातार समृद्ध हुई है। इस अवसर पर सैनिक प्रकोष्ठ के महानगर अध्यक्ष बृजपाल सिंह नेगी, शंकेश्वर प्रसाद सेमवाल, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, दान सिंह रावत, चंद्रमोहन सिंह रावत, गणेश नेगी, शूरवीर खेतवाल, नंदन सिंह रावत, प्रकाश लखेड़ा, अनिल वर्मा, हरेंद्र सिंह, रूपेंद्र सिंह और राजेंद्र सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

होमस्टे प्रशिक्षण कार्यशाला, युवाओं को स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : रथुवाढाब में कालागढ़ टाइगर रिजर्व प्रभाग, लैंसडौन की अदनाला रेंज के तत्वावधान में होमस्टे प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को होमस्टे के माध्यम से स्वरोजगार से जोड़ना और क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ उप प्रभागीय वनाधिकारी शिप्रा वर्मा और वन क्षेत्राधिकारी रूपा रानी ने किया। उन्होंने युवाओं को होमस्टे योजना की जानकारी देते हुए कहा कि पहाड़ों से पलायन रोकने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए युवाओं को पर्यटन क्षेत्र में आगे आना होगा। लैंसडौन ट्रिप ट्रैवल्स कैफे के संस्थापक अमित श्रीवास्तव ने होमस्टे संचालन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि स्वरोजगार के माध्यम से युवा अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने स्थानीय और पहाड़ी उत्पादों को पर्यटन से जोड़कर बाजार उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। कहा कि पुराने पैतृक भवनों को आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित कर आकर्षक होमस्टे के रूप में विकसित किया जा सकता है। होमस्टे संचालक मनोज नेगी, शिवांग नेगी और बचन सिंह ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ी क्षेत्रों में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ी है। ऐसे में होमस्टे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार का बेहतर माध्यम बन सकता है। इस अवसर पर कालागढ़ टाइगर रिजर्व प्रभाग लैंसडौन के उप वन संरक्षक तरूण एस., उप प्रभागीय वनाधिकारी अनामिका बुक्करवाल, वन क्षेत्राधिकारी अमोल ईष्टवाल, कृति नेगी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

रथुवाढाब में आयोजित होमस्टे प्रशिक्षण कार्यशाला में जानकारी देते अतिथि।

होम डिलीवरी शुल्क लेने के बाद भी नहीं मिल रहा लाभ

श्रीनगर गढ़वाल : इंडेन गैस सिलिंडर की होम डिलीवरी सुचारु न होने से वरिष्ठ नागरिकों और उपभोक्ताओं को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र जितेन्द्र नेगी एवं पुत्रवधू प्रेरणा नेगी मेरे कहने सुनने में नहीं है तथा मेरा पुत्र एवं पुत्रवधू प्रेरणा नेगी आपस में लड़ाई झगड़ा करते रहते है। जिससे परेशान होकर मैं अपने पुत्र एवं पुत्रवधू को अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। मेरे पुत्र जितेन्द्र नेगी एवं पुत्रवधू प्रेरणा नेगी द्वारा किये गये किसी भी कृत्य एवं लेन-देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार रहेगें। उनके द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के कृत्य एवं लेन-देन के लिए मेरा एवं मेरे परिवार का कोई लेना-देना नहीं होगा। दिनांक 19-08-2026 से मेरे पुत्र जितेन्द्र नेगी एवं पुत्रवधू प्रेरणा नेगी को मेरी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल समझा जाये।

मंगल सिंह नेगी पुत्र स्व0 लूथी सिंह निवासी विकासनगर गाड़ीघाट, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड, पिन-246149।
(0591/21)

जयंती पर हीरो ऑफ नेफा जसवंत सिंह रावत को दी श्रद्धाजंलि

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : हीरो ऑफ नेफा अमर शहीद राइफलमैन जसवंत सिंह रावत की जयंती के अवसर पर बुधवार को उनकी जन्मभूमि में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्थानीय लोगों, पूर्व सैनिकों एवं क्षेत्रवासियों ने बाबा जसवंत सिंह रावत की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी वीरता, साहस और देश के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद किया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि जसवंत सिंह रावत की वीरगाथा आज भी देशवासियों और विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कहा कि उनकी जन्मभूमि और स्मृतियों से जुड़े स्थलों के विकास तथा उनके जीवन और शौर्य गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अनूप पटवाल ने कहा कि बाबा जसवंत सिंह रावत के नाम पर आयोजित होने वाला राजकीय मेला केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मेले का विधिवत एवं भव्य आयोजन करने की मांग की, ताकि इसका स्वरूप और व्यापक हो सके तथा क्षेत्र की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर बनें। पटवाल ने दुनाव महादेव में जसवंत सिंह रावत के नाम पर आयोजित होने वाली खेल प्रतियोगिताओं के विस्तार की भी मांग की। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक युवाओं को इन प्रतियोगिताओं से जोड़ा जाना चाहिए और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकारी सेवाओं में भी नियमानुसार लाभ दिलाने की दिशा में पहल होनी चाहिए। इससे युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहन मिलेगा और बाबा जसवंत सिंह रावत की स्मृति को युवा पीढ़ी से जोड़ने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर डा. प्रेम सिंह नेगी, गणेश प्रसाद जोशी, विजयराम पोखरियाल, भीम सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग एवं पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

भगवान पार्श्वनाथ के आदर्शों को अपनाने का लिया संकल्प

श्रीनगर गढ़वाल : जैन मंदिर में 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक की स्मृति में मोक्ष सप्तमी महोत्सव मनाया गया। सामूहिक अभिषेक और शांतिधारा के साथ अनुष्ठान की शुरुआत हुई। श्रद्धालुओं ने भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा का अभिषेक कर विश्व में सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इसके बाद भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं। नृत्य संध्या में बच्चों और महिलाओं ने जैन धर्म के सिद्धांतों को मंच पर जीवंत किया।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/पी.एस. (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के पिलखुआ स्टेशन पर पार्किंग तथा विभिन स्टेशनो पर जनरल माइनर यूनिट एवं स्पेशल माइनर यूनिट (कैटरिंग स्टाल) के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई-बोलियाँ www.ireps.gov.in पर दिनांक 09.09.2026 को आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 2885/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

एससी–एसटी एक्टः संतुलन की जरूरत

दलितों को सेमआ, में उचित सम्मान देने के लिए एक कड़ा कानून बनाया गया है जो अब विवादों में है। कानून पर सवाल खड़े हो रहे है कि इसे निजी स्वार्थ एवं बदला लेने के लिए प्रयोग किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर एक टैक्सी ड्राइवर और पीछे बैठी सवारी का वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें टैक्सी ड्राइवर खुद को आपत्तिजनक शब्द से संबोधित करने पर विवाद कर रहा है। मामला पुलिस तक पहुंचा तो पता चला कि पीछे बैठी सवारी भी अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग से संबंधित थी लिहाजा, कानून वही ढेर हो गया। हालांकि इस वायरल वीडियो ने एक बड़ी चिंता भी उस सामान्य वर्ग के लिए पैदा कर दी है जो ऐसी सोच वाले टैक्सी चालकों के साथ चलते हैं। कल्पना कीजिए यदि पीछे बैठी सवारी एससी एसटी वर्ग की नही होती तो सिर्फ आरोप लगाने भर से सवारियों को न केवल जेल होती बल्कि ड्राइवर को अच्छी खासी आर्थिक सहायता भी मिलती। समाज में अब इस कानून का दुरुपयोग ही हो रहा है। सामाजिक भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों की सुरक्षा के लिए अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 बनाया गया। इस कानून का उद्देश्य इन वर्गों के लोगों को सामाजिक अन्याय, भेदभाव और अत्याचार से बचाना है। निस्संदेह यह कानून सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, किन्तु समय–समय पर इस कानून के दुरुपयोग के आरोप भी सामने आते रहे हैं। कई मामलों में व्यक्तिगत दुश्मनी, संपत्ति विवाद, राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता या अन्य निजी कारणों से झूठी शिकायतें दर्ज कराने की घटनाएं चर्चा का विषय बनी हैं। यदि किसी निदोष व्यक्ति पर गलत आरोप लगते हैं, तो उसे सामाजिक बदनामी, मानसिक तनाव और कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इससे कानून की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगते हैं। हालांकि यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि कुछ मामलों में दुरुपयोग की घटनाओं को आधार बनाकर पूरे कानून की उपयोगिता पर सवाल नही उठाया जा सकता। आज भी समाज के अनेक हिस्सों में दलित और आदिवासी समुदायों को भेदभाव, हिंसा और सामाजिक बहिष्कार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए इस कानून की आवश्यकता बनी हुई है। समाधान कानून को कमजोर करने में नही, बल्कि उसकी निष्पक्ष और पारदर्शी क्रियान्विति में है। शिकायतों की निष्पक्ष जांच, झूठी शिकायत साबित होने पर उचित कानूनी कार्रवाई तथा वास्तविक पीड़ितों को त्वरित न्याय–इन तीनों बातों पर समान रूप से ध्यान देना चाहिए। इससे न केवल निदोष लोगों के अधिकारों की रक्षा होगी, बल्कि कानून का मूल उद्देश्य भी मजबूत होगा। एक लोकतांत्रिक समाज में किसी भी कानून की सफलता उसके संतुलित उपयोग पर निर्भर करती है। एससी–एसटी एक्ट भी इसका अपवाद नही है। आवश्यकता इस बात की है कि यह कानून वास्तविक पीड़ितों के लिए सुरक्षा कवच बना रहे और साथ ही इसके संभावित दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रभावी तंत्र विकसित किया जाए। तभी सामाजिक न्याय और विधि के शासन के बीच सही संतुलन स्थापित हो सकेगा। निश्चित तौर पर यह कानून अब समाज के लिए घातक साबित हो रहा है और इसे कुछ लोगों ने अपनी निजी दुश्मनी या फिर आर्थिक लाभ लेने के लिए हथियार बना लिया है। सरकार को इस दिशा में गंभीरता से सोचना होगा और कानून में प्रावधान करने होंगे ताकि असीम ताकत वाले इस कानून के गलत प्रयोग से निदोष लोगों को बचाया जा सके।

मच्छर जानलेवा है, जागरूकता और स्वच्छता ही बचाव का सबसे बड़ा हथियार

कांतिलाल मांडोत

मच्छर आकार में भले ही बहुत छोटा जीव है, लेकिन मानव स्वास्थ्य के लिए इसका खतरा बेहद बड़ा है। दुनिया में अनेक गंभीर संक्रामक बीमारियों के प्रसार में मच्छरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफलाइटिस, जीका, पीला बुखार और फाइलेरियासिस जैसी बीमारियां मच्छरों के माध्यम से फैलती हैं। इन बीमारियों के कारण हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग बीमार पड़ते हैं और कई मामलों में स्थिति गंभीर भी हो जाती है। इसलिए मच्छर को केवल परेशान करने वाला कीट मानना उचित नहीं है। यह मानव जीवन के लिए गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है।

हर वर्ष 20 अगस्त को विश्व मच्छर दिवस मनाया जाता है। यह दिवस ब्रिटिश चिकित्सक सर रोनाल्ड रॉस की ऐतिहासिक खोज की स्मृति में मनाया जाता है। 20 अगस्त 1897 को रॉस ने यह महत्वपूर्ण प्रमाण प्रस्तुत किया कि मादा एनोफिलीज मच्छर मलेरिया के परजीवी को फैलाने में भूमिका निभाती है। इस खोज ने मलेरिया के संक्रमण और उसके नियंत्रण को समझने की दिशा में चिकित्सा विज्ञान को नई राह दिखाई। रॉस को बाद में वर्ष 1902 में चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विश्व मच्छर दिवस का उद्देश्य केवल इस वैज्ञानिक उपलब्धि को याद करना नहीं है, बल्कि लोगों को मच्छरजनित बीमारियों के खतरे और उनसे बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना भी है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि बीमारी फैलने के बाद उपचार करने से बेहतर है कि मच्छरों के प्रजनन को रोककर बीमारी की आशंका को ही कम किया जाए।

मलेरिया मच्छर से फैलने वाली सबसे पुरानी और गंभीर बीमारियों में से एक है। यह प्लास्मोडियम परजीवी के कारण होता है और संक्रमित मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। बुखार, ठंड लगना, पसीना आना, सिरदर्द और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हो सकते हैं। समय पर जांच और उचित उपचार मिलने पर मलेरिया का इलाज संभव है, लेकिन लापरवाही की स्थिति में यह गंभीर और जानलेवा रूप ले सकता है।

डेंगू भी मच्छरजनित बीमारी है, जो मुख्य रूप से संक्रमित एडीज मच्छरों से फैलती है। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, मतली और कमजोरी इसके सामान्य लक्षण हैं। कुछ मामलों में डेंगू गंभीर रूप ले सकता है, इसलिए लगातार या तेज बुखार होने पर चिकित्सकीय सलाह लेना आवश्यक है। डेंगू की रोकथाम में मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना सबसे महत्वपूर्ण उपायों में शामिल है।

चिकनगुनिया भी एडीज मच्छरों से फैलता है। इसमें बुखार के साथ जोड़ों में दर्द, सिरदर्द और थकान जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जापानी इंसेफलाइटिस तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करने वाली गंभीर बीमारी है। जीका वायरस भी एडीज मच्छरों के माध्यम से फैल सकता है और गर्भावस्था के दौरान विशेष चिंता का विषय हो सकता है। इसके अलावा पीला बुखार और फाइलेरियासिस भी मच्छरों से फैलने वाली महत्वपूर्ण बीमारियां हैं।

मच्छरों के बारे में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि सामान्यतः मादा मच्छर ही मनुष्य और अन्य जीवों का रक्त चूसती हैं। मादा मच्छर को अंडों के विकास के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्राप्त करने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। नर मच्छर मुख्य रूप से पौधों के रस और अन्य वनस्पति स्रोतों पर निर्भर रहते हैं। मच्छर मनुष्य तक पहुंचने के लिए सांस से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड, शरीर की गर्मी और गंध जैसे संकेतों का उपयोग करते हैं। इसी कारण वे मनुष्यों को आसानी से खोज लेते हैं। मच्छरों की अलग-अलग प्रजातियों का व्यवहार और बीमारी फैलाने की क्षमता भी अलग होती है। इसलिए मच्छर नियंत्रण के लिए वैज्ञानिक निगरानी और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार उपाय करना आवश्यक है।

वंदे मातरम प्रेमः हकीकत या फसाना

निर्मल रानी

राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम के 150 साल पूरे होने के अवसर पर 2026 के नये सरकारी प्रोटोकॉल के अनुसार गृह मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशा-निर्देशों के तहत सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम बजाना और सभी के लिए सम्मान में खड़ा होना अनिवार्य कर दिया गया है। साथ ही औपचारिक अवसरों पर इसके सभी छह छंदों को गाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विपक्ष सहित कुछ अन्य संगठन इस अनिवार्य प्रोटोकॉल को संविधान के अनुच्छेद 25 अर्थात व्यक्तिगत और धार्मिक स्वतंत्रता के विरुद्ध बताते हैं। बहरहाल, इन सब के बावजूद वंदेमातरम को संसद में और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पर प्रधानमंत्री की मौजूदगी में लाल किले पर गाया गया क बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा1875 में मूल रूप से बांग्ला और संस्कृत भाषा में लिखे इस गीत के शब्द काफी कठिन हैं। 6 छंदों पर आधारित यह गीत काफी लंबा भी है। चूँकि आम तौर पर केवल इसके पहले दो छंदों को ही आधिकारिक तौर पर गाया जाता रहा है, इसलिए देश के अधिकांश राजनेताओं और आम नागरिकों को भी इसके बाद के 4 छंद कंठस्थ याद नहीं होते हैं। लेकिन भाजपा के मामले में यह विवाद इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि वह अन्य दलों पर राष्ट्रगीत के अपमान का तो आरोप लगाती है, जबकि खुद उसके अपने नेता इसे सही ढंग से प्रस्तुत करने में चूक जाते हैं।

समय-समय पर भाजपा के नेताओं की इस गीत को लेकर अज्ञानता कैमरे पर भी उजागर हुई है। एक टेलीवीजन लाइव डिबेट के दौरान, जब भाजपा प्रवक्ता नवीन कुमार सिंह दूसरों को वंदे मातरम् गाने की चुनौती दे रहे थे, तो एंकर ने उनसे स्वयं इसे गाने को कह दिया। वे अपने मोबाइल फोन में देखने के बावजूद गीत की गलत पंक्तियाँ गाने लगे और धुन भी पूरी तरह भूल गए। इसी तरह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री बलदेव सिंह औलख से जब पत्रकारों ने वंदे मातरम् की कुछ पंक्तियाँ सुनाने को कहा, तो वे बेहद असहज हो गए। उन्होंने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया कि उन्हें इस समय पूरा याद नहीं है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जयपुर में भाजपा के मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान, मंच पर राष्ट्रगीत गाते समय गलत धुन और गलत वर्जन बज गया। कांग्रेस द्वारा इस बड़ी चूक पर हमला किए जाने के बाद राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी पड़ी। कोटा, मेरठ और ग्वालियर जैसे कई शहरों में भाजपा के स्थानीय विधायकों और सांसदों के ऐसे अनेक वीडियो सामने आ चुके हैं, जहाँ वे वंदे मातरम् और राष्ट्रगान (जन गण मन) के बीच अंतर करने में भ्रमित हो जाते हैं या गीत की पंक्तियों को आपस में मिला देते हैं। हाल ही में गुजरे संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जब वंदे मातरम् को लेकर नया कानून और राष्ट्रगीत विवाद गरमाया, तो विपक्ष ने भाजपा को घेरते हुए कहा कि जिन्होंने वंदे मातरम् को लेकर कड़े कानून बनाये हैं, हकीकत यह है कि उनके अपने नेताओं और मंत्रियों को भी यह गीत पूरा याद नहीं है।

उधर मुस्लिम समुदाय के भीतर इस गीत को लेकर अलग-अलग दृष्टिकोण और विचार हैं। हालाँकि समग्र मुस्लिम समाज वंदे मातरम्-गायन का विरोध नहीं करता है परन्तु समाज के कुछ लोग या कुछ धार्मिक संगठन इसके पूरे पाठ या कुछ विशिष्ट छंदों का विरोध करते हैं। जबकि अनेक अन्य मुस्लिम नागरिक,प्रतिष्ठित लोग और कलाकार इसे देशभक्ति के प्रतीक के रूप में सहजता से गाते भी हैं। दरअसल मुसलमानों के एक वर्ग के वंदे मातरम् का विरोध करने के पीछे मुख्य रूप से धार्मिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक कारण हैं। एकेश्वरवाद के सिद्धांत पर आधारित इस्लाम धर्म में केवल एक अल्लाह की इबादत की अनुमति है। जबकि वंदे मातरम् का शाब्दिक अर्थ माँ, मैं आपकी वंदना/पूजा करता हूँ होता है जहाँ देश को एक देवी दुर्गा के रूप में चित्रित किया गया है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद जैसे धार्मिक संगठनों का मानना है कि अल्लाह के अलावा किसी भी अन्य सत्ता, भूमि या मूर्ति के सामने झुकना या उसकी पूजा करना उनके धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। कुछ इतिहासकारों और मुस्लिम विचारकों का मानना है कि इस उपन्यास की पृष्ठभूमि और कुछ अंशों में मुस्लिम विरोधी भावनाएं निहित थीं, जिससे इस गीत को लेकर ऐतिहासिक रूप से एक संशय पैदा हुआ। कई मुस्लिम नेताओं और कानूनी विशेषज्ञों का यह तर्क भी है कि भारत का संविधान अनुच्छेद 19 और 25 नागरिकों को अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार देता है। उनका कहना है कि देशभक्ति साबित करने के लिए किसी को भी ऐसा गीत गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए जो उनकी धार्मिक आस्था से टकराता हो। हालांकि इस विषय पर मुस्लिम समाज भी एकमत नहीं है। कुछ उलेमाओं का मानना है कि इसके छंदों में मूर्तिपूजा और देवी स्वरूप की स्तुति शामिल है, इसलिए वे इसे गाने से परहेज करते हैं। यही वजह थी कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वर्ष 1937 में कांग्रेस ने मुस्लिम समुदाय की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए ही इस गीत के केवल शुरूआती दो छंदों को ही राष्ट्रगीत के रूप में अपनाया था। पहले दो छंदों में देश की प्राकृतिक सुंदरता (सुजलां सुफलां) का वर्णन है, जिस पर कई प्रगतिशील मुस्लिम संगठनों को कोई आपत्ति नहीं है। जबकि कई उदारवादी मुस्लिम, आम नागरिक और कलाकार इसे बिना किसी धार्मिक चश्मे के केवल अपनी मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम के रूप में देखते हैं। जैसे कि संगीतकार ए.आर. रहमान द्वारा गाया गया मां तुझे सलाम वंदे मातरम बेहद लोकप्रिय है। ऐतिहासिक रूप से भी, स्वतंत्रता संग्राम जैसे कि 1905 के स्वदेशी आंदोलन के दौरान मौलाना अबुल कलाम आजाद जैसे महान मुस्लिम नेताओं ने इस गीत और नारे का खुलकर समर्थन किया था। इसलिए, वर्तमान में भी यह मुद्दा पूरे मुस्लिम समाज का नहीं, बल्कि व्यक्तिगत धार्मिक प्राथमिकताओं और आस्था से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

परन्तु आज जब देश का बड़ा वर्ग खासकर युवा शिक्षा की होती दुर्गति, पेपर लीक, भयंकर बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, दयनीय स्वास्थ सेवाओं, बेतहाशा बढ़ती मंहगाई, मंदिर दान चोरी आदि से दुखी होकर सड़कों पर उतर रहा है। आज जब भारत में बाल कुपोष की यह स्थिति है कि ग्लोबल हंगर इंडेक्स के अनुसार हर दूसरा भारतीय बच्चा कुपोषित है,देश का गरीब व्यक्ति और गरीब होता जा रहा है,खुद सरकारी दावों के अनुसार 80 करोड़ लोग सरकार के 5 किलो मुफ़्त राशन पर आश्रित है। ऐसे में क्या वंदे मातरम गाने से लोगों को बेहतर जिन्दगी मिल सकेगी और उनका जीवन स्तर ऊपर उठ सकेगा ? या फिर भाजपा इसे अपने राजनैतिक स्वभाव के अनुरूप मात्र हिन्दू मुस्लिम के बीच का भावनात्मक मुद्दा बनाकर उछालना चाह रही है? वह भी तब जबकि इसके अपने अधिकांश सांसद व नेता न तो वंदे मातरम गा सकते हैं न ही उन्हें कंठस्थ है। दरअसल भाजपा द्वारा वंदे मातरम के प्रति प्रेम प्रदर्शन के पीछे की हकीकत कुछ और है और फसाना कुछ और।

डोनाल्ड ट्रंप को क्यों भा गया भारतीय निर्वाचन आयोग?

सौरभ वार्ष्णेय

भारत में चुनाव कराना अपने आप में दुनिया का एक असाधारण प्रशासनिक अभियान है। करोड़ों मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाना, मतदाता सूची तैयार करना, पहचान सुनिश्चित करना, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखना तथा परिणामों को घोषित करना–यह पूरा तंत्र विशाल स्तर पर काम करता है। ट्रंप ने भारत के हालिया आम चुनाव में लगभग 646 मिलियन मतदाताओं का उल्लेख करते हुए भारतीय फोटो पहचान व्यवस्था को अमेरिका के संदर्भ में उपयोगी बताया। यहीं से भारत और अमेरिका के चुनावी मॉडल में एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जो भारत के साथ टैरिफ पर टैरिफ खेल रहे थे अचानक युद्ध छोड़कर भारत की चुनाव व्यवस्था और मतदाता पहचान प्रणाली यानी भारतीय निर्वाचन आयोग को पंसद कर रहे हैं। ज्ञात रहे कि हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी चुनाव व्यवस्था की तुलना भारतीय चुनाव मतदाता पहचान प्रणाली से की है। ट्रंप ने भारत के विशाल चुनावी तंत्र, फोटो पहचान-पत्र की व्यवस्था और सीमित डाक मतपत्र व्यवस्था को अमेरिका के लिए उदाहरण के रूप में पेश किया। उन्होंने भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से कथित बातचीत का भी उल्लेख किया, हालांकि इस बातचीत का स्वतंत्र सार्वजनिक रिकॉर्ड अभी स्पष्ट रूप से सामने नहीं आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान केवल भारत की चुनाव प्रणाली की प्रशंसा भर नहीं है। इसके पीछे अमेरिकी राजनीति, मतदाता पहचान, चुनावी पारदर्शिता और आगामी अमेरिकी मध्यावधि चुनावों की राजनीति भी दिखाई देती है। सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है कि आखिर भारत की चुनाव व्यवस्था में ऐसा क्या है जो दुनिया के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक अमेरिका के राष्ट्रपति को आकर्षित कर रहा है? भारत का निर्वाचन आयोग कोई सामान्य प्रशासनिक संस्था नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे संसद, राज्य विधानसभाओं तथा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों की देखरेख, निर्देशन और नियंत्रण का संवैधानिक दायित्व प्राप्त है। निर्वाचन आयोग स्वयं भी इसे स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण के रूप में वर्णित करता है।

भारत में चुनाव कराना अपने आप में दुनिया का एक असाधारण प्रशासनिक अभियान है। करोड़ों मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचाना, मतदाता सूची तैयार करना, पहचान सुनिश्चित करना, राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के लिए समान अवसर बनाए रखना तथा परिणामों को घोषित करना–यह पूरा तंत्र विशाल स्तर पर काम करता है। ट्रंप ने भारत के हालिया आम चुनाव में लगभग 646 मिलियन मतदाताओं का उल्लेख करते हुए भारतीय फोटो पहचान व्यवस्था को अमेरिका के संदर्भ में उपयोगी बताया। यहीं से भारत और अमेरिका के चुनावी मॉडल में एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। अमेरिका में चुनावों का संचालन काफी हद तक राज्यों के स्तर पर होता है और नियमों में राज्यवार अंतर दिखाई देता है। इसके विपरीत भारत में निर्वाचन आयोग एक केंद्रीय संवैधानिक संस्था के रूप में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए व्यापक अधिकार रखता है। ट्रंप की नजर में यही केंद्रीकृत चुनाव प्रबंधन एक आकर्षक मॉडल हो सकता है। ट्रंप की टिप्पणी को समझने के लिए अमेरिकी राजनीति को समझना आवश्यक है। अमेरिका में मतदाता पहचान और नागरिकता सत्यापन लंबे समय से राजनीतिक बहस का विषय रहे हैं। ट्रंप लगातार यह तर्क देते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया में पहचान और नागरिकता की पर्याप्त जांच होनी चाहिए।इसी पृष्ठभूमि में उन्होंने भारत का उदाहरण दिया। उनका उद्देश्य केवल भारत की प्रशंसा करना नहीं, बल्कि अमेरिकी मतदाता पहचान कानूनों के पक्ष में राजनीतिक समर्थन जुटाना भी है। ट्रंप प्रशासन के माध्यम से मतदाता पंजीकरण में नागरिकता प्रमाण और देशव्यापी फोटो पहचान जैसे प्रावधानों पर जोर दे रहा है।इसलिए यह कहना अधिक उचित होगा कि ट्रंप को भारत इसलिए भा रहा है क्योंकि भारतीय चुनाव प्रणाली का एक हिस्सा उनके घरेलू राजनीतिक एजेंडे के अनुकूल दिखाई देता है।यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है–क्या ट्रंप वास्तव में भारतीय चुनाव प्रणाली को अमेरिकी चुनाव व्यवस्था का आदर्श मानते हैं या वे भारत का उदाहरण अपनी घरेलू राजनीति में एक राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं?

भारत की चुनाव व्यवस्था की अपनी खूबियां हैं। लेकिन भारत भी पूर्ण व्यवस्था होने का दावा नहीं कर सकता। मतदाता सूची में नाम जुड़? या हटने, पहचान संबंधी समस्याओं, चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता को लेकर समय-समय पर राजनीतिक विवाद उठते रहे हैं। हाल के वर्षों में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी तीखी राजनीतिक बहस हुई है। 2026 में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विपक्ष और नागरिक समूहों ने सवाल उठाए हैं, जबकि निर्वाचन आयोग ने अपने संवैधानिक अधिकारों के भीतर काम करने का पक्ष रखा है। इस मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय में भी निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची तैयार करने की शक्तियों को लेकर प्रश्नों पर विचार हुआ है।इसलिए ट्रंप की प्रशंसा को भारत की चुनाव प्रणाली के लिए अंतिम प्रमाणपत्र मान लेना उचित नहीं होगा।किसी भी चुनाव की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि कितने लोगों ने मतदान किया। असली सफलता तब होती है जब हारने वाला उम्मीदवार और उसके समर्थक भी परिणाम को स्वीकार करें।

भारत में निर्वाचन आयोग की भूमिका इसलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। संविधान ने उसे चुनावी प्रक्रिया की देखरेख का व्यापक अधिकार दिया है ताकि सत्ता परिवर्तन शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से हो सके। निर्वाचन आयोग स्वयं अपने संवैधानिक दायित्व को स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने से जोड़ता है।लेकिन लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा केवल संवैधानिक प्रावधानों से नहीं बनती। वह जनता के विश्वास से बनती है। इसलिए निर्वाचन आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती आज यही है कि उसकी प्रत्येक कार्रवाई ऐसी हो जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को समान रूप से भरोसा हो।

ट्रंप के बयान के बाद भारत में राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अमेरिका ले जाने संबंधी व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। यह प्रतिक्रिया बताती है कि भारत में निर्वाचन आयोग को लेकर राजनीतिक विवाद अभी समाप्त नहीं हुआ है।यदि सरकार निर्वाचन आयोग की प्रशंसा करे तो विपक्ष को संदेह हो सकता है। यदि विपक्ष आयोग पर सवाल उठाए तो सरकार इसे राजनीतिक हमला बता सकती है। लेकिन इन दोनों के बीच संस्थागत निष्पक्षता का प्रश्न कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।निर्वाचन आयोग को न तो सरकार के पक्ष में दिखाई देना चाहिए और न विपक्ष के। उसे केवल संविधान के पक्ष में दिखाई देना चाहिए।

यदि अमेरिका भारत से कुछ सीखना चाहता है तो केवल मतदाता पहचान-पत्र की व्यवस्था को देखकर बात पूरी नहीं हो सकती। भारत की चुनाव प्रणाली एक पूरे संस्थागत ढांचे पर आधारित है। मतदाता सूची, निर्वाचन क्षेत्र, मतदान केंद्रों का प्रबंधन, चुनावी आचार संहिता, राजनीतिक दलों के साथ संवाद, चुनाव अधिकारियों की तैनाती और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से लेकर मतगणना तक एक विस्तृत व्यवस्था काम करती है।

भारत में चुनाव आयोग को चुनावों के दौरान समान अवसर उपलब्ध कराने और आदर्श आचार संहिता लागू करने की जिम्मेदारी भी निभानी पड़ती है। संविधान का अनुच्छेद 324 इस पूरे ढांचे की आधारशिला है।

अमेरिका यदि भारतीय अनुभव से कुछ ग्रहण करता है तो उसे केवल पहचान-पत्र नहीं, बल्कि चुनाव प्रबंधन की संस्थागत संरचना पर भी विचार करना होगा। यहां बात केवल अमेरिका को भारत से सीखने की नहीं है। भारत को भी अपने चुनावी तंत्र में लगातार सुधार करते रहना होगा। आज मतदाता पहले से अधिक जागरूक है। सोशल मीडिया के दौर में चुनावी जानकारी कुछ सेकंड में करोड़ों लोगों तक पहुंच सकती है। गलत सूचना, डीपफेक, फर्जी वीडियो और डिजिटल प्रचार चुनावी वातावरण को प्रभावित कर सकते हैं।ऐसे में निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता और संवाद की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।मतदाता सूची में किसी नागरिक का नाम क्यों जोड़ा गया या क्यों हटाया गया, चुनावी निर्णय किस आधार पर लिया गया, राजनीतिक दलों की शिकायतों पर क्या कार्रवाई हुई–इन सभी सवालों के जवाब समय पर और सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होना लोकतंत्र के हित में है।डोनाल्ड ट्रंप का भारतीय निर्वाचन आयोग की व्यवस्था की ओर ध्यान जाना निश्चित रूप से भारत के लिए गर्व का विषय हो सकता है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की चुनावी व्यवस्था को अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा उदाहरण के तौर पर पेश करना भारत की संस्थागत क्षमता को अंतरराष्ट्रीय पहचान देता है।लेकिन लोकतंत्र में बाहरी प्रशंसा से ज्यादा महत्वपूर्ण आंतरिक विश्वास है।यदि भारत के नागरिक अपने निर्वाचन आयोग पर भरोसा करते हैं, यदि राजनीतिक दल चुनावी परिणामों को स्वीकार करते हैं और यदि हर मतदाता को यह विश्वास रहता है कि उसका वोट सुरक्षित है तथा उसकी आवाज सुनी जाएगी, तभी चुनाव प्रणाली वास्तव में मजबूत कही जाएगी।आज आवश्यकता इस बात की है कि निर्वाचन आयोग अपनी उपलब्धियों पर संतुष्ट होकर न रुके। उसे लगातार खुद को और अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और तकनीकी रूप से सक्षम बनाना होगा।ट्रंप को भारत इसलिए भाया क्योंकि उन्हें अपनी घरेलू राजनीतिक बहस के लिए भारतीय मॉडल में कुछ उपयोगी तत्व दिखाई दिए। लेकिन भारत के लिए इससे बड़ा संदेश यह है कि हमारी लोकतांत्रिक संस्थाएं दुनिया के लिए उदाहरण बन सकती हैं–बशर्ते हम उनके प्रति जनता का विश्वास बनाए रखें। चुनाव केवल सत्ता चुनने की प्रक्रिया नहीं है। चुनाव लोकतंत्र में नागरिक और राज्य के बीच विश्वास का सबसे बड़ा सेतु है। निर्वाचन आयोग उस सेतु का प्रहरी है।

इसलिए ट्रंप की प्रशंसा अच्छी खबर हो सकती है, लेकिन असली परीक्षा यह है कि भारत का आम मतदाता अपने निर्वाचन आयोग के बारे में क्या सोचता है। लोकतंत्र की अंतिम कसौटी वाशिंगटन की प्रशंसा नहीं, बल्कि भारत के मतदान केंद्र पर खड़ा वह सामान्य नागरिक है जो अपने हाथ में मतदाता पहचान-पत्र लेकर यह विश्वास करता है कि उसकी एक-एक वोट की कीमत है। और यही विश्वास भारत के निर्वाचन आयोग की सबसे बड़ी पूंजी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में सनातन धर्म को राष्ट्रीय पहचान बनाने की मांग, पूर्व पीएम देउबा के बयान से क्यों गरमाई सियासत

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने देश की राष्ट्रीय पहचान को सनातन धर्म से जोड़ने की बात कही है। उनके नेतृत्व वाले नेपाली कांग्रेस गुट के 14वें राष्ट्रीय सम्मेलन में इस दिशा में आगे बढ़ने का प्रस्ताव पारित किया गया। इससे नेपाल को फिर से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग को राजनीतिक ताकत मिलने की चर्चा शुरू हो गई है। देउबा ने सम्मेलन के समापन समारोह में खुद को हिंदू बताते हुए अपनी राजनीतिक सोच भी साफ की। पारित प्रस्ताव केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है। इसमें सनातन धर्म के साथ हिंदू, बौद्ध और किरात परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया गया है। साथ ही सभी धर्मों और समुदायों की धार्मिक आजादी, सहिष्णुता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की बात कही गई है। यानी प्रस्ताव में नेपाल की पारंपरिक धार्मिक पहचान को मजबूत करने के साथ दूसरे समुदायों के अधिकारों की बात भी शामिल है। नेपाली कांग्रेस के दूसरे गुट ने सम्मेलन में पारित प्रस्तावों और दिए गए बयानों पर आपत्ति जताई है। पार्टी प्रवक्ता विनोद चालिसे ने कहा कि सम्मेलन में हुए काम और नेताओं के बयानों पर पार्टी की नजर है। इससे साफ है कि सनातन धर्म और राष्ट्रीय पहचान का मुद्दा केवल नेपाल की व्यापक राजनीति में ही नहीं, बल्कि नेपाली कांग्रेस के भीतर भी मतभेद का कारण बन सकता है।

लहरों में फंसे भारतीय मूल के बच्चे को बचाने वाले 16 साल के किशोर से मिले ट्रंप, किया सम्मानित; मामला क्या

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में 25 जुलाई को 10 वर्षीय भारतीय मूल का बच्चा नाथनियल राय समुद्र की तेज लहरों में फंस गया था। वह सांता क्रूज के सीब्राइट बीच पर पानी में था। इसी दौरान उसने अपना संतुलन खो दिया और लहरों की चपेट में आ गया। वहां ड्यूटी पर मौजूद 16 वर्षीय लाइफगार्ड राइडर विलियम्स ने बच्चे को मुश्किल में देखा और तुरंत उसे बचाने के लिए दौड़ पड़ा। विलियम्स ने बताया कि उसने बच्चे को लाइफगार्ड टावर से करीब 20 गज दूर टखने तक पानी में अपना संतुलन खोते देखा था। खतरा समझते ही वह उसकी तरफ दौड़ा। उसने कहा कि ऐसे मुश्किल समय में लाइफगार्ड अपनी ट्रेनिंग पर भरोसा करते हैं। उसका पूरा ध्यान बच्चे को जितनी जल्दी हो सके पानी से बाहर निकालने पर था। बचाव की यह घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बचाव का वीडियो सामने आने के बाद ट्रंप की भी इस घटना पर नजर पड़ी। उन्होंने लाइफगार्ड विलियम्स और उसके परिवार को व्हाइट हाउस आने का न्योता दिया।

खूंखार आतंकी संगठन अल-शबाब का हमला नाकाम, सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 30 आतंकी ढेर

जाम्बिया, एजेंसी। अफीकी देश जाम्बिया में राष्ट्रपति हकाइंदे हिचिलेमा दूसरे कार्यकाल के लिए चुने गए हैं। जाम्बिया के निर्वाचन आयोग ने 18 अगस्त, 2026 को इसकी घोषणा की। उन्हें 14 अगस्त को हुए राष्ट्रपति चुनाव का सीधा विजेता घोषित किया गया। हिचिलेमा ने 51 फीसदी से अधिक वोट हासिल किए। आयोग के अनुसार, हिचिलेमा को 2,965,326 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी ब्रायन मुंडुबिले को 1,856,217 वोट प्राप्त हुए। आयोग की अध्यक्ष म्वांगाला ज़ालूमिस ने हिचिलेमा को राष्ट्रपति-निर्वाचित घोषित किया। मतगणना 15 अगस्त को मतदान अधिकारियों पर हमले और मतपत्रों की चोरी के कारण निलंबित हुई, फिर कड़ी सुरक्षा में शुरू की गई।

बिग बेंड नेशनल पार्क में सीमा नहीं बनेगी, ट्रंप प्रशासन ने विवादित परियोजना रोकी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने बिग बेंड नेशनल पार्क में एक विवादास्पद सीमा परियोजना का निर्माण अस्थायी रूप से रोक दिया है। यह निर्णय एजेंसी प्रमुख के टेक्सास दौरे के बाद जमीनी मूल्यांकन के लिए लिया गया है। यह परियोजना दक्षिणी टेक्सास में राष्ट्रीय पार्क से होकर गुजरनी थी। इस परियोजना को आलोचकों के कड़े द्विदलीय विरोध का सामना करना पड़ा है। आलोचकों का कहना है कि यह क्षेत्र एक प्राचीन पर्यावरणीय इलाका है। उनके अनुसार, यह परियोजना इस क्षेत्र को खराब कर रही है। उनका तर्क है कि क्षेत्र का कठिन और दूरस्थ इलाका पहले से ही प्रवासियों और तस्करों को रोकता है।

दक्षिण कोरिया को छोड़ उत्तर कोरिया के करीब क्यों जा रहे ट्रंप अमेरिका के सहयोगियों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों को कम करने का फैसला किया है। इससे केवल लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे दक्षिण कोरिया को ठेस नहीं पहुंची है, बल्कि एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में अमेरिका के सुरक्षा हितों को लेकर भी बड़ी चिंताएं पैदा हो गई हैं।

ट्रंप ने अपने फैसले की वजह बताते हुए कहा कि दक्षिण कोरिया ने ईरान के खिलाफ उनकी लड़ाई में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने अलग-थलग रहने वाले उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का भी जिक्र किया। ट्रंप अक्सर विदेश नीति में फायदे-नुकसान और व्यक्तिगत रिश्तों को ज्यादा अहमियत देते रहे हैं। यही उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की एक खास पहचान रही है।

जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के राष्ट्रपति कार्यकाल में यूरोपीय मामलों के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैन फ्राइड ने कहा, मुझे इसमें अमेरिका का कोई हित नजर नहीं आता। किसी भी स्तर पर यह समझ में नहीं आता। इससे दक्षिण कोरिया कमजोर होता है, जापान कमजोर होता है, ताइवान डरता है, नाटो चिंतित होता है और चीन को हौसला मिलता है। इतना ही नहीं, उत्तर कोरिया का भी हौसला बढ़ता है। ओबामा प्रशासन में पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैनी रसेल ने कहा कि उत्तर

कोरिया के पक्ष में ट्रंप का फैसला ऐसी श्रेणी में आता है, जिसमें यह समझना मुश्किल है कि इससे स्थिति और खराब कैसे हो सकती है। उत्तर कोरिया हर साल होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा, यह दुखद रूप से पूरी तरह उलटा है। ट्रंप एक सहयोगी को सजा दे रहे हैं और एक विरोधी को बढ़ावा दे रहे हैं। न्यूयॉर्क के एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट से जुड़े रसेल ने कहा, ट्रंप अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सुरक्षा की कीमत पर किम जोंग उन को नाराज होने से बचा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया को इससे क्या संदेश जाता है : रविवार को ट्रंप ने अमेरिकी सेना को 11 दिन चलने वाले उलची फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास का आकार छोटा करने का आदेश दिया। यह सैन्य अभ्यास सोमवार को तय समय पर शुरू हो गया। हालांकि, यह साफ नहीं था कि अभ्यास के किन-किन हिस्सों को कम किया जाएगा। ट्रंप के इस एलान से दक्षिण कोरिया में बहुत से लोग आश्चर्यचकित रह गए। दक्षिण कोरिया दशकों से अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा को बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि उसके सामने परमाणु हथियार रखने वाले उत्तर कोरिया का खतरा मौजूद है।

अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में कई डेमोक्रेट सांसदों ने भी तुरंत ट्रंप की आलोचना की। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट सांसद और विदेश मामलों की समिति में सबसे बड़े डेमोक्रेट नेता ग्रेग मीक्स ने एक बयान में कहा, अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक के साथ विरोधी जैसा व्यवहार करने से हमारे गठबंधन कमजोर होते हैं और चीन तथा उत्तर कोरिया को फायदा मिलता है। सोमवार को ट्रंप ने अपने फैसले का फिर समर्थन किया। उन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की फोन पर बात करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ही दलों के राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान काम कर चुके सेवानिवृत्त अमेरिकी राजदूत रॉबर्ट वुड ने कहा कि संयुक्त सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया को रोकने के लिए बेहद अहम हैं। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से दूरी बना रखी है और उसने हथियारों का परीक्षण भी तेज कर दिया है। वुड ने कहा, हम यह भी नहीं चाहते कि दक्षिण कोरिया यह निष्कर्ष निकाले कि अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उसके पास परमाणु हथियार हासिल करना ही एकमात्र गारंटी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों तरह के प्रशासन में रक्षा और खुफिया विभाग से जुड़े पदों पर रह चुके मैथ्यू क्रोनिग ने कहा कि सर्वे बताते हैं कि दक्षिण कोरियाई लोगों में अपने परमाणु हथियार विकसित करने के विचार का समर्थन लगातार बढ़ा है। क्रोनिग ने कहा, अमेरिका दक्षिण कोरिया को यह भरोसा दिलाने के लिए बहुत मेहनत करता रहा है कि वह सुरक्षित है। अब वाशिंगटन के थिंक टैंक अटलांटिक काउंसिल से जुड़े क्रोनिग ने कहा कि सैन्य अभ्यासों का आकार कम करने से संभवत इस भरोसे को नुकसान पहुंचता है।

ट्रंप को खुश करने की कोशिश कर रहा दक्षिण कोरिया : ट्रंप ने यह फैसला तब लिया, जब दक्षिण कोरिया उन्हें खुश करने और उनका समर्थन पाने की कोशिश कर रहा था। दक्षिण कोरिया व्यापार और रक्षा जैसे अहम मुद्दों पर अमेरिका का साथ चाहता था। पिछले साल नए राष्ट्रपति ली जे म्युंग जब ट्रंप से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे, तो उन्होंने सबसे पहले वहां की शानदार सजावट की तारीफ की। ओवल ऑफिस को सुनहरे रंग की सजावट से सजाया गया था। ली ने ट्रंप की इस बात का भी समर्थन किया कि अगर वह 2020 में लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति बन जाते, तो किम जोंग उन परमाणु हथियार बनाने की अपनी योजना को आगे नहीं बढ़ाते। ली ने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में उत्तर कोरिया में ट्रंप टावर बनाया जा सकता है।

एफबीआई मुख्यालय अब कहां बनेगा: ट्रंप प्रशासन को कोर्ट ने दिया बड़ा झटका, हेडक्वार्टर की शिफ्टिंग पर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक जज ने सोमवार को एफबीआई के मुख्यालय को वॉशिंगटन की एक फेडरल ऑफिस बिल्डिंग में ले जाने की योजना पर रोक लगा दी। जज ने पाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मैरीलैंड में पास की गई एक नई बिल्डिंग बनाने की योजना को गैर-कानूनी तरीके से रद्द कर दिया था।

यह फैसला देश की प्रमुख कानून लागू करने वाली एजेंसी का मुख्य कार्यालय कहां बनाया जाए, इस पर बरसों से चल रही लड़ाई में एक नया घटनाक्रम है। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में एक जगह चुनी गई थी, लेकिन ट्रंप की ओर से नियुक्त अधिकारियों ने पिछले साल उस फैसले को पलटने की कोशिश की।

ट्रंप प्रशासन क्या चाहता था : वे चाहते थे कि एफबीआई के मौजूदा मुख्यालय से कुछ ब्लॉक दूर स्थित फेडरल ऑफिस कॉम्प्लेक्स, रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग का इस्तेमाल इस काम के लिए किया जाए।

जिला जज चुआंग ने क्या फैसला सुनाया : राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से नियुक्त अमेरिकी जिला जज थियोडोर डी. चुआंग ने फैसला सुनाया कि यह कदम कानून के मुताबिक नहीं था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने के लिए उसकी मरम्मत करने या फंड का दोबारा इस्तेमाल करने से रोक दिया। मुकदमा किसने दायर किया था न्याय विभाग और एफबीआई के अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह मुकदमा मैरीलैंड राज्य और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने दायर किया था।

मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल ने क्या कहा : मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल एंथनी ब्राउन (जो डेमोक्रेट हैं) ने एक बयान में कहा, मैरीलैंड और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने एफबीआई मुख्यालय हासिल करने के लिए एक दशक से ज्यादा समय तक काम किया है। इसके साथ ही करोड़ों डॉलर देने का वादा किया। एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने और इस प्रोजेक्ट के लिए कांग्रेस द्वारा अलग रखे गए फंड को दूसरी जगह लगाने की ट्रंप प्रशासन की गैर-कानूनी कोशिश को रोककर, कोर्ट ने ग्रीनबेल्ट लौटने का रास्ता साफ कर दिया है।

एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय कहां है : एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय, पेन्सिलवेनिया एवेन्यू पर स्थित जे. एडगर हूवर बिल्डिंग में 1975 में खोला गया था। मुख्यालय को दूसरी जगह ले जाने के पक्ष में तर्क देने वालों का कहना है कि ब्रूटलिस्ट-शैली की यह इमारत अब जर्जर हो चुकी है। इसके चारों ओर पैदल चलने वालों को गिरते मलबे से बचाने के लिए जाल लगे हैं। दोनों राज्यों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद, पास के वर्जीनिया के बजाय मैरीलैंड वाली जगह को चुना गया था।

भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण के दावे पर घिरे पीएम बालेन; 26 अगस्त को संसद में विपक्ष करेगा सवालों की बौछार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह अगले सप्ताह प्रतिनिधि सभा में सांसदों के सवालों का सामना करेंगे। सदन के अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्याल ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री के साथ सीधे सवाल-जवाब का सत्र 26 अगस्त को आयोजित किया जाएगा। अध्यक्ष ने सदन को बताया कि प्रतिनिधि सभा नियमावली 2026 के अध्याय-9 के तहत प्रधानमंत्री के साथ प्रश्नोत्तर सत्र निर्धारित किया गया है। इस दौरान सदन में मौजूद प्रत्येक राजनीतिक दल से कम से कम एक सांसद प्रधानमंत्री से सवाल पूछ सकेगा। अध्यक्ष ने सांसदों से अपने सवाल संक्षिप्त रखने की अपील भी की। प्रधानमंत्री शाह के संसद में आने का फैसला ऐसे समय हुआ है, जब विपक्ष लंबे समय से उनके एक बयान पर स्पष्टीकरण की मांग कर रहा है। दरअसल, 31 मई को संसद में अपने पहले संबोधन के दौरान शाह ने कहा था कि उन्हें इस बारे में जानकारी मिली है कि नेपाल ने भारत के क्षेत्र में भी 'अतिक्रमण' किया है। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री से इस बयान को स्पष्ट करने की मांग की। उनका कहना है कि यदि नेपाल की ओर से भारतीय क्षेत्र में अतिक्रमण की बात कही गई है तो प्रधानमंत्री को उसके समर्थन में सबूत पेश करने चाहिए या फिर अपना बयान वापस लेना चाहिए। विपक्ष की लगातार मांगों के बाद प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्याल ने प्रधानमंत्री को सदन में उठाए गए सवालों का जवाब देने के लिए कहा। संसद सचिवालय के सूत्रों के अनुसार, अध्यक्ष ने उन मुद्दों पर प्रधानमंत्री से जवाब मांगा है जो उनके अधिकार क्षेत्र से जुड़े हैं। आर्याल ने कहा कि सांसद लंबे समय से प्रधानमंत्री से महत्वपूर्ण विषयों और उनके अधिकार क्षेत्र से जुड़े मामलों पर सवालों का जवाब देने की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के बयान के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय ने उसकी अलग व्याख्या पेश की थी। मंत्रालय ने कहा था कि शाह की टिप्पणी दोनों देशों के बीच 'नो-मैन्स लैंड में अतिक्रमण' और 'सीमा पार कब्जे' से जुड़ी थी, न कि किसी क्षेत्र पर औपचारिक दावा करने के संदर्भ में। इसके बावजूद विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री से सदन में सीधे स्पष्टीकरण की मांग करते रहे।

दो बंदूकें लेकर स्कूल पहुंचा छात्र, पहले टीचर पर चलाई गोली फिर साथी छात्र की हत्या कर की खुदकुशी

मनीला, एजेंसी। दक्षिणी फिलीपींस में एक हाई स्कूल में मंगलवार को दो बंदूकें लिए एक छात्र ने अपने ही एक साथी छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद फिर खुदकुशी कर ली। इस घटना के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

जाम्बोआंगा शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो ने कहा कि हमलावर ने शायद हमले की लाइव-स्ट्रीमिंग के लिए बॉडी कैमरा पहना हुआ था। यह हमला उनके शहर में एटेनिओ डी जाम्बोआंगा यूनिवर्सिटी कैंपस के हाई स्कूल में हुआ। उन्होंने बताया कि दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

मेयर ने क्या बताया : ओलासो ने रेडियो नेटवर्क को बताया कि हमलावर ने पहले एक टीचर पर गोली चलाई, लेकिन यह साफ नहीं है कि टीचर को

गोली लगी या नहीं। इसके बाद उसने अपने एक साथी छात्र को गोली मारी, जिससे उसकी मौत हो गई, और फिर उसने खुद को गोली मार ली।

छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया : हाई स्कूल की बिल्डिंग में गोली चलने की आवाज के बाद सैकड़ों छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। यह बिल्डिंग एक सुरक्षित कैंपस में है, जो कैथोलिक यूनिवर्सिटी के बड़े कैंपस से अलग है। उस बड़े कैंपस में यूनिवर्सिटी के कॉलेज और प्रोफेशनल स्कूल हैं, जो जाम्बोआंगा बंदरगाह शहर में स्थित हैं।

पुलिस ने क्या कहा : गोलीबारी के कुछ घंटों बाद पुलिस ने कहा कि स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने छात्रों के माता-पिता और अभिभावकों से शांत रहने और बच्चों को ले जाने के लिए हाई स्कूल की सलाह और व्यवस्थाओं का पालन करने को कहा।

पुलिस ने जनता से क्या अपील की : नेशनल पुलिस चीफ जनरल जोस मेलेंसियो नार्टाटेज जूनियर ने कहा, अधिकारी अभी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। पुलिस सही समय पर पक्की जानकारी देगी और जनता से अपील करती है कि वे ऐसी बिना पुष्टि वाली खबरें, तस्वीरें या वीडियो शेयर न करें जिनसे बेवजह चिंता पैदा हो सकती है। नार्टाटेज ने कहा, नेशनल पुलिस जनता को भरोसा दिलाती है कि स्कूल समुदाय की सुरक्षा और भलाई हमारी प्राथमिकता है। हम स्कूल प्रशासन, माता-पिता, अभिभावकों और समुदाय का उनके धैर्य, सहयोग और समझदारी के लिए धन्यवाद करते हैं, क्योंकि अधिकारी स्थिति को संभालने का काम कर रहे हैं। यह गोलीबारी तब हुई जब पुलिस ने भरोसा दिलाया था कि देश भर के स्कूलों में सुरक्षा बढ़ाई जाएगी। इससे पहले जून में मध्य टैकलोबन शहर में हुई गोलीबारी में तीन हाई स्कूल छात्र मारे गए थे और कम से कम 20 अन्य घायल हुए थे। पुलिस ने उस गोलीबारी को अंजाम देने के आरोप में 14 और 15 साल के दो छात्रों को गिरफ्तार किया था। फिलीपींस में बंदूक के इस्तेमाल से जुड़े अपराध आम हैं, जिसका एक कारण बिना लाइसेंस वाली बंदूकों का बड़ी संख्या में होना है, लेकिन स्कूलों में गोलीबारी की घटनाएं अपेक्षाकृत कम होती हैं।

बच्चों को अकेले खेलने की आजादी पर अमेरिका में बदली सोच, देश के 13 राज्यों ने क्यों दी कानून में ढील

इयान फ्रिश, एजेंसी। अमेरिका में बच्चों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से बनाए गए सख्त नियमों पर अब बहस तेज हो रही है। कई जगह अभिभावकों को बच्चों को अकेले पार्क भेजने, आसपास खेलने देने या छोटी दूरी पर अकेले जाने देने पर कार्रवाई का डर रहता था। अब इस सोच में बदलाव दिखाई दे रहा है। 13 अमेरिकी राज्यों ने बाल-उपेक्षा से जुड़े नियमों में ढील दी है, ताकि बच्चों को उम्र के हिसाब से कुछ स्वतंत्रता देने पर माता-पिता को कानूनी कार्रवाई का सामना न करना पड़े। अटलांटा में एक छह साल के बच्चे के अकेले पार्क में खेलने का मामला इस बहस का उदाहरण बना। बच्चे को पार्क में अकेले देखकर एक महिला ने बाल

कल्याण विभाग में उसके माता-पिता के खिलाफ शिकायत कर दी। इसके बाद मैलरी शर्ली और उनके पति क्रिस्टोफर प्लेसेंट्स से पूछताछ हुई। लंबी कानूनी प्रक्रिया और अपील के बाद दंपती को आरोपों से बरी कर दिया गया। इस मामले ने सवाल खड़ा किया कि बच्चों की सुरक्षा और उन्हें स्वतंत्रता देने के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए।

13 राज्यों ने नियमों में ढील क्यों दी : अमेरिका में फ्री-रेंज किड्स आंदोलन को मिल रहे समर्थन के बीच 13 राज्यों ने अपने बाल-उपेक्षा कानूनों में बदलाव किया है। इसका मकसद यह स्पष्ट करना है कि बच्चों को उनकी उम्र और समझ के मुताबिक अकेले बाहर खेलने या आसपास जाने की अनुमति देना अपने आप में उपेक्षा नहीं माना जाए। समर्थकों का तर्क है कि बच्चों को हर समय निगरानी में रखने के बजाय सीमित स्वतंत्रता देना उनके आत्मविश्वास और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत कर सकता है। बच्चों की स्वतंत्रता को लेकर सोच में बदलाव के बीच आंकड़े भी दिलचस्प तस्वीर दिखाते हैं। द ब्रिटिश चिल्ड्रन प्ले सर्वे के अनुसार, पिछली पीढ़ी के बच्चों को औसतन 8.9 वर्ष की उम्र में अकेले बाहर खेलने की अनुमति मिल जाती थी। आज यह उम्र बढ़कर औसतन 10.7 वर्ष हो गई है। यानी बच्चों को स्वतंत्र रूप से बाहर जाने की अनुमति अब करीब दो साल देर से मिल रही है। वहीं करीब 34 फीसदी बच्चे स्कूल के बाद बाहर खेलने नहीं जाते हैं। बच्चों के लिए खेलना केवल मनोरंजन नहीं है। इससे उनका शारीरिक विकास होता है और वे दूसरे बच्चों के साथ बातचीत करना, छोटे फैसले लेना और परिस्थितियों को समझना सीखते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, पांच से 17 वर्ष की उम्र के बच्चों को रोज करीब 60 मिनट खेलना-कूदना चाहिए।

भारत के चुनावी मॉडल के मुरीद हुए ट्रंप, अमेरिका में वोटर आईडी अनिवार्य करने की मांग क्यों हुई तेज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए अमेरिका में हर मतदाता के लिए फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने की अपनी मांग फिर दोहराई है। ट्रंप ने दावा किया कि भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनके प्रशासन से सवाल किया था कि अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना चुनाव कैसे कराए जा सकते हैं। ट्रंप ने भारत की व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका को भी चुनाव में पहचान और नागरिकता से जुड़े नियम कड़े करने चाहिए।

भारत के चुनाव को लेकर ट्रंप ने क्या दावा किया : ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि भारत के हालिया आम चुनाव में करीब 64.6 करोड़ लोगों ने मतदान किया और एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओं ने डाक मतपत्र का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी कहा कि हर मतदाता के लिए वैध फोटो पहचान पत्र जरूरी था। ट्रंप ने भारत के चुनावी मॉडल को अमेरिका में अनिवार्य फोटो पहचान की जरूरत के समर्थन में उदाहरण के तौर पर पेश किया। उनका कहना है कि इससे चुनाव में धोखाधड़ी की आशंका को कम किया जा सकता है।

सेव अमेरिका एक्ट में क्या बदलाव प्रस्तावित हैं : ट्रंप जिस सेव अमेरिका एक्ट के समर्थन में लगातार आवाज उठा रहे हैं, उसका पूरा नाम सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजीबिलिटी एक्ट है। प्रस्तावित कानून के तहत अमेरिका में मतदान के लिए पंजीकरण कराने वाले लोगों को अपनी नागरिकता का प्रमाण देना होगा। इसके अलावा देशभर में मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। कानून

डाक से मतदान की सुविधा पर भी कड़े प्रतिबंध लगाने की दिशा में है। ट्रंप इसे चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए जरूरी कदम बताते हैं।

क्या अमेरिका में इस कानून को लेकर सहमति है : सेव अमेरिका एक्ट को लेकर अमेरिका में राजनीतिक सहमति नहीं बन पाई है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के भीतर इस मुद्दे पर मतभेद हैं। ट्रंप लगातार कानून पारित कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सीनेट में इसे आगे बढ़ाने को लेकर अब तक ठोस कदम नहीं उठे हैं। अगस्त की शुरुआत में अमेरिकी सीनेट पांच सप्ताह के अवकाश पर चली गई थी और कानून को लेकर कोई अंतिम प्रगति नहीं हुई। ट्रंप का तर्क है कि मतदाता की पहचान और नागरिकता की पुष्टि चुनाव प्रक्रिया की विश्वसनीयता के लिए जरूरी है। भारत की चुनाव व्यवस्था का हवाला देते हुए उन्होंने अमेरिका में भी ऐसे नियम लागू करने की मांग की है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए सेव अमेरिका एक्ट पारित करना चाहिए। हालांकि, कानून को लेकर राजनीतिक मतभेद अभी कायम हैं। भारत का उदाहरण देकर ट्रंप ने एक बार फिर अमेरिकी चुनाव व्यवस्था में पहचान पत्र और नागरिकता के सवाल को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है।

इमरान खान की आंखों में कितना सुधार हुआ? जेल प्रशासन ने सेहत पर सुप्रीम कोर्ट में दी पूरी जानकारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आंखों को लेकर जेल प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट को अहम जानकारी दी है। रावलपिंडी की अदियाला जेल की ओर से अदालत में दाखिल रिपोर्ट में कहा गया है कि इमरान खान की आंखों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है और उनकी नजर अब 'लगभग सामान्य' हो गई है।

यह रिपोर्ट ऐसे समय सामने आई है, जब सुप्रीम कोर्ट में इमरान की उस याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें उन्होंने इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल अस्पताल में इलाज कराने की मांग की है। 73 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उनकी आंख की बीमारी जनवरी के अंत में सामने आई थी। उन्हें दाहिनी आंख में सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूजन यानी सीआरवीओ की समस्या बताई गई थी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए इस्लामाबाद स्थित पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस कई बार ले जाया गया। जेल प्रशासन के मुताबिक, पीआईएमएस के नेत्र रोग विभाग के प्रमुख डॉक्टर मुहम्मद आरिफ खान और रावलपिंडी के अलशिफा ट्रस्ट आई हॉस्पिटल के विट्रियॉ-रेटिनल विशेषज्ञ डॉक्टर नदीम कुरैशी ने उनका इलाज किया।

जेल प्रशासन ने इमरान की सेहत को लेकर क्या दावा किया : जेल प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, इलाज के बाद इमरान खान की आंख में काफी सुधार देखा गया और उनकी नजर लगभग सामान्य हो गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उनकी सेहत की नियमित निगरानी की जा रही है। जेल के चिकित्सा अधिकारी दिन में तीन बार उनकी जांच करते हैं। इस दौरान उनके भोजन की निगरानी के साथ रक्तचाप, हृदय गति और ऑक्सीजन स्तर जैसे जरूरी स्वास्थ्य मानकों की भी जांच की जाती है। प्रशासन ने कहा कि जेल में रहने के दौरान उनका मेडिकल रिकॉर्ड भी लगातार रखा गया है।

क्या इमरान खान को जेल में पर्याप्त इलाज मिल रहा : जेल प्रशासन ने अदालत को बताया कि इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को पर्याप्त स्वास्थ्य

सुविधाएं दी जा रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अलग-अलग चिकित्सा संस्थानों के विशेषज्ञों और डॉक्टरों ने भी दोनों की स्वास्थ्य जांच की है। प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट से इमरान की इलाज संबंधी याचिका को खारिज करने का अनुरोध किया है। उसका कहना है कि इमरान को जरूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है और उनकी आंख की हालत में सुधार इसका प्रमाण है।

इमरान खान की पार्टी इस रिपोर्ट पर क्या कह रही : जेल प्रशासन के दावे के बावजूद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ यानी पीटीआई की ओर से इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताई गई है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि एक मेडिकल रिपोर्ट में इमरान का रक्तचाप अधिक पाया गया है। उन्होंने दावा किया कि इमरान के निजी डॉक्टरों ने पहले उनका रक्तचाप सामान्य पाया था। अफरीदी के अनुसार, इमरान के परिवार, कानूनी टीम और निजी डॉक्टरों को 2 दिसंबर 2025 से उनसे मिलने की अनुमति नहीं दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट में कब होगी इमरान की याचिका पर सुनवाई : इमरान खान की इलाज संबंधी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 18 अगस्त को सुनवाई होनी है। तीन सदस्यीय पीठ इसकी सुनवाई करेगी। पीठ की अध्यक्षता न्यायमूर्ति शाहिद वाहिद करेंगे। इसमें न्यायमूर्ति नईम अख्तर अफगान और न्यायमूर्ति इश्तियाक इब्राहिम भी शामिल हैं। जेल प्रशासन ने अदालत से इमरान की याचिका को खारिज करने की मांग की है। वहीं पीटीआई का कहना है कि इमरान को किसी विशेष रियायत की मांग नहीं है, बल्कि उन्हें कानून के अनुसार उचित इलाज और न्याय मिलना चाहिए।

फेंटेनाइल पर विवादास्पद रणनीति की समीक्षा, न्यू मेक्सिको ने मुकदमे की धमकी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग के आंतरिक निगरानीकर्ता ने ष्ठश्व्र की विवादास्पद रणनीति की समीक्षा की घोषणा की है। इस रणनीति में बड़े मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ मामले बनाने के लिए फेंटेनाइल को सड़कों पर जाने दिया गया। वर्तमान और पूर्व एजेंटों ने इसे सार्वजनिक सुरक्षा के लिए जुआ बताया है। व्हाइट हाउस ने फेंटेनाइल को सामूहिक विनाश का हथियार घोषित किया है। यह समीक्षा एसोसिएटेड प्रेस की उस जांच के बाद आई है, जिसमें ष्ठश्व्र एजेंटों ने न्यू मैक्सिको में फेंटेनाइल खेपों की निगरानी की पर उन्हें जब्त नहीं किया। व्हिसलब्लोअर डेविड हॉवेल ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने न्यू मैक्सिको में 卐समुदाय को जहर दिया卐। न्यू मैक्सिको के अटॉर्नी जनरल राउल टोरेज़ ने न्याय विभाग पर मुकदमा करने की धमकी दी है। दो अन्य व्हिसलब्लोअर भी सामने आए हैं।

पालमपुर के पास में स्थित इन शानदार हिल स्टेशन को बनाएं डेस्टिनेशन पॉइंट, बिताएं सुकून के पल

बहुत कम लोग पालमपुर को हिल स्टेशन मानते हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

पालमपुर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का एक फेमस और खूबसूरत पहाड़ी शहर है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा हरे-भरे चाय के बागानों और धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं के लिए भी जाना जाता है। पालमपुर अपने सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। लेकिन इस शहर को बहुत कम लोग हिल स्टेशन मानते हैं। इसलिए लोग पालमपुर के आसपास हिल स्टेशनों की तलाश करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पालमपुर के आसपास में स्थित कुछ शानदार हिल स्टेशन्स के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप सुकून के कुछ पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

धर्मशाला

अगर आप भी पालमपुर के पास किसी शानदार हिल स्टेशन घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले धर्मशाला का रुख करते हैं। वहीं अगर आप धर्मशाला घूमने जा रहे हैं, तो यहां से करीब 5 किमी दूर स्थित मैक्लोडगंज को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं। गर्मियों में यहां पर देश के कोने-कोने से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुख्य आकर्षण – भागसू वाटरफॉल, धर्मकोट, धर्मशाला टी गार्डन, बीर बिलिंग

समुद्र तल से करीब 2 हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित बीर बिलिंग हिमाचल प्रदेश का एक बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। यह जगह सबसे ज्यादा पैराग्लाइडिंग के लिए जाना जाता है। दुनिया भर से पर्यटक यहां पर पैराग्लाइडिंग के लिए पहुंचते हैं। यहां पर आप पहाड़ों में ट्रेकिंग, हाइकिंग और कैंपिंग का शानदार लुत्फ उठा सकते हैं।

मुख्य आकर्षण – चोकलिंग मठ, गुनेहर वॉटरफॉल, बीर सनसेट पॉइंट, बरोट हिल स्टेशन

बरोट हिल स्टेशन हिमाचल प्रदेश की हसीन वादियों में स्थित छिपा खजाना माना जाता है। यहां पर ऊंचे-ऊंचे बादलों से ढके पहाड़, देवदार के बड़े-बड़े पेड़, झील-झरने और घने जंगलों के लिए जाना जाता है। यहां की ठंडी हवाओं में लोग पार्टनर, परिवार और दोस्तों के साथ घूमने के लिए आते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग है।

मुख्य आकर्षण– बरोट मंदिर, लापस वॉटरफॉल, बाडा ग्रान ट्रेक, कुल्लू

कुल्लू हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत जिला और हिल स्टेशन है। बता दें कि यह मंडी-मनाली राजमार्ग पर पड़ता है। कुल्लू अपनी खूबसूरती और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर आपको घास के मैदान, ऊंचे-ऊंचे पहाड़ और झील-झरनों के लिए जाना जाता है। कई पर्यटक वीकेंड पर लोग घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मुख्य आकर्षण – फ्रेंडशिप पीक, नग्गर कैसल, भृगु झील

इतिहास, विरासत और हथकरघे की नगरी है चंदेरी

चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह नगर विभिन्न राजवंशों— जैसे प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुग़ल, बुंदेला और मराठा — के अधीन रहा है। यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

मध्य प्रदेश की मालवा और बुंदेलखंड की सीमाओं पर बसा चंदेरी (ष्टद्धड्डठ्ठस्त्रद्गह्म्द्ब) एक ऐतिहासिक नगर है जो अपने भव्य किलों, प्राचीन स्मारकों, जैन मंदिरों और विश्वप्रसिद्ध चंदेरी साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यह नगर न केवल इतिहास प्रेमियों, बल्कि कला, संस्कृति और पारंपरिक वस्त्रों के शौकीनों के लिए भी एक आकर्षक पर्यटन स्थल है।

चंदेरी का ऐतिहासिक महत्व

चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा हुआ है। यह नगर विभिन्न राजवंशों— जैसे प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुग़ल, बुंदेला और मराठा — के अधीन रहा है। यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का सुंदर समन्वय देखने को मिलता है।

पारंपरिक व्यापार मार्गों पर स्थित होने के कारण यह नगर व्यापार, विशेष रूप से वस्त्र उद्योग, का एक बड़ा केंद्र रहा है।

प्रमुख दर्शनीय स्थल

1. चंदेरी किला

बंदरगढ़ पहाड़ी पर स्थित यह भव्य किला 13वीं शताब्दी में बना था और चंदेरी के इतिहास की रक्षा करता प्रतीत होता है। यहां से पूरे शहर का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है। किले में कौशक महल नामक भव्य महल भी है, जिसे मुगल सम्राट जहांगीर के समय में बनवाया गया था।

2. जौरी की मस्जिद और बड़ी मस्जिद

चंदेरी की मस्जिदें अपनी मुगलकालीन वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध हैं। इनका निर्माण 15वीं शताब्दी में किया गया था और ये आज भी अपनी भव्यता और शांति के लिए जानी जाती हैं।

3. कटी घोड़ी

यह दो स्तंभों पर खड़ी एक अनूठी संरचना है, जो देखने में एक घोड़े के कटे हिस्से जैसी प्रतीत होती है। यह चंदेरी की पहचान बन चुकी है।

4. जैन मंदिर और नालगिरी पर्वत

यहां प्राचीन जैन मंदिरों की श्रृंखला है और नालगिरी पर्वत पर स्थित विशाल जैन तीर्थ क्षेत्र एक आध्यात्मिक केंद्र है, जहां भगवान आदिनाथ की विशाल प्रतिमा स्थापित है।

चंदेरी की साड़ियाँ

चंदेरी की पहचान सबसे अधिक उसकी चंदेरी साड़ियों से है। ये साड़ियाँ अपनी हल्के वजन, चमकदार कपड़े और पारंपरिक बूटियों के लिए प्रसिद्ध हैं। रेशम और सूती धागों से बनी ये साड़ियाँ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में लोकप्रिय हैं। चंदेरी शहर के विभिन्न बुनकर मोहल्लों में आज भी पारंपरिक हथकरघा तकनीक से इन साड़ियों का निर्माण होता है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम रेलवे स्टेशन- ललितपुर (36 किमी) और अशोकनगर (38 किमी)

निकटतम हवाई अड्डा- ग्वालियर (200 किमी) और भोपाल (215 किमी)

सड़क मार्ग- चंदेरी झांसी, ललितपुर, शिवपुरी और सागर जैसे शहरों से सड़क द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

ठहरने की व्यवस्था

चंदेरी में अब पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई होटल और गेस्ट हाउस उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित होटल भी हैं जो आरामदायक और सुविधाजनक ठहराव प्रदान करते हैं।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

चंदेरी घूमने का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है। सर्दियों में मौसम सुहावना रहता है और विरासत स्थलों की यात्रा अधिक सुखद होती है।

चंदेरी एक ऐसा नगर है जहां इतिहास की गलियों में कदम रखते ही समय ठहर जाता है। किले, महल, मस्जिदें, जैन मंदिर और हथकरघे की कला— यह सब मिलकर चंदेरी को एक अनूठा पर्यटन स्थल बनाते हैं। यदि आप भारतीय संस्कृति, शिल्प और इतिहास से रूबरू होना चाहते हैं, तो चंदेरी की यात्रा अवश्य करें।

भीमबेटका: जहां 30,000 साल पुराना इतिहास आज भी जीवंत है

भीमबेटका की गुफाएं करीब 30,000 साल पुरानी मानी जाती हैं और यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों में शामिल हैं। यहां की चट्टानों पर बने शैलचित्र प्रागैतिहासिक युग, मिजोलिथिक, नवपाषाण और ऐतिहासिक काल तक फैले हुए हैं।

भारत की धरती प्राचीन सभ्यताओं और सांस्कृतिक धरोहरों से भरपूर है, और मध्य प्रदेश का भीमबेटका (Bhimbetka) इसका एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह स्थल न केवल पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इतिहास, कला और प्रकृति प्रेमियों के लिए भी एक अद्भुत आकर्षण का केंद्र है। भीमबेटका की गुफाएँ मानव सभ्यता की सबसे पुरानी झलकियों में से एक प्रस्तुत करती हैं।

भीमबेटका का इतिहास

भीमबेटका शैलाश्रय समूह भोपाल से लगभग 45 किलोमीटर दक्षिण में रायसेन ज़िले में स्थित है। इसका नाम महाभारत के भीम पात्र से जुड़ा हुआ माना जाता है। कहा जाता है कि यह स्थान पांडवों के वनवास काल के दौरान उनका विश्राम स्थल रहा था।

भीमबेटका की गुफाएं करीब 30,000 साल पुरानी मानी जाती हैं और यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों (UNESCO World Heritage Sites) में शामिल हैं। यहां की चट्टानों पर बने शैलचित्र प्रागैतिहासिक युग, मिजोलिथिक, नवपाषाण और ऐतिहासिक काल तक फैले हुए हैं।

शैलचित्रों की विशेषताएं

भीमबेटका की गुफाओं में पाए जाने वाले चित्र मुख्यत: लाल, सफेद और कभी-कभी पीले और हरे रंग में बने हुए हैं। इन चित्रों में शिकारी, नर्तक, जानवर, युद्ध दृश्य, सामाजिक गतिविधियाँ और धार्मिक प्रतीक शामिल हैं। यह चित्र मानव जीवन के प्रारंभिक स्वरूप, उनकी जीवनशैली और संस्कृति को उजागर करते हैं।

यहां करीब 750 गुफाएँ हैं, जिनमें से लगभग 15-20 को ही आम पर्यटकों के लिए खोला गया है। सबसे प्रसिद्ध गुफा है फ्ज्योति स्थलफ्, जहाँ मानव आकृतियाँ नृत्य करती हुई दिखाई देती हैं।

पर्यटक अनुभव

भीमबेटका आने वाले पर्यटक एक अनोखे अनुभव का आनंद लेते हैं। यहां की प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और गुफाओं की जटिल कलाकृति एक अलग ही दुनिया में ले जाती है। जंगलों से घिरे हुए यह शैलाश्रय सतपुड़ा की पहाड़ियों में बसे हुए हैं, जो खुद में एक रोमांचक यात्रा बन जाती है।

कैसे पहुँचे?

निकटतम हवाई अड्डा- भोपाल (45 किमी)

रेल मार्ग- भोपाल रेलवे स्टेशन सबसे नजदीकी है।

सड़क मार्ग- भोपाल से टैक्सी या बस के माध्यम से आसानी से पहुँचा जा सकता है।

ठहरने की व्यवस्था

भोपाल शहर में पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के होटल उपलब्ध हैं — बजट से लेकर लक्ज़री तक। भीमबेटका में ठहरने की सुविधा नहीं है, अत: भोपाल में रुकना अधिक सुविधाजनक होता है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

भीमबेटका की यात्रा का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के बीच होता है, जब मौसम सुहावना और यात्रा के अनुकूल होता है।

भीमबेटका केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि यह मानव सभ्यता के उद्भव और विकास की कहानी को जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। यह उन यात्रियों के लिए एक जरूरी स्थल है, जो इतिहास, संस्कृति और कला में रुचि रखते हैं। एक बार भीमबेटका की यात्रा करना, जैसे समय की सुरंग में प्रवेश कर मानव विकास की प्राचीन यात्रा को प्रत्यक्ष रूप से देखना है।

मिनी पहलगाम के नाम से फेमस है नॉर्थ बंगाल का माझीधुरा, प्रकृति प्रेमियों के लिए है स्वर्ग

दार्जिलिंग और दीघा बीच के अलावा हिमालय की तलहटी में स्थित माझीधुरा एक ऐसी हसीन जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। यह जगह अपनी खूबसूरती और शानदार नजारों के कारण मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है।

हिमालय की तलहटी से लेकर बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ पश्चिम बंगाल एक बेहद खूबसूरत और प्रमुख राज्य है। यह राज्य बंगाल की खाड़ी के किनारे में स्थित दीघा, ताजपुर बीच या उदयपुर की खूबसूरती के लिए जाना जाता है। ठीक उसी तरह हिमालय में स्थित सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग और कालिम्पोंग के लिए भी जाना जाता है। दार्जिलिंग और दीघा बीच के अलावा हिमालय की तलहटी में स्थित माझीधुरा एक ऐसी हसीन जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते होंगे। यह जगह अपनी खूबसूरती और शानदार नजारों के कारण मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको माझीधुरा की खासियत और यहां पर घूमने वाली कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

माझीधुरा

माझीधुरा दार्जिलिंग से करीब 11 किमी दूर पहाड़ी पर स्थित एक शांत और सुरम्य पहाड़ी गांव है। यह जगह दार्जिलिंग से 11 किमी दूर और सिलीगुड़ी से 74 किमी और पश्चिम बंगाल के मिरिक से करीब 7-8 किमी दूरी पर स्थित है।

क्यों फेमस है ये जगह

समुद्र तल से करीब 4 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित माझीधुरा बंगाल का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। यहां पर आपको चारों ओर हरियाली, बादलों से ढके ऊंचे-ऊंचे पहाड़, चाय के बागान देखने को मिलेंगे।

माझीधुरा में अल्पाइन के बड़े-बड़े पेड़, घास के मैदान और झील-झरनों के कारण इस जगह को मिनी पहलगाम के नाम से भी जाना जाता है। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। यह पहाड़ी गांव अपनी स्थानीय परंपरा के लिए भी फेमस है। माझीधुरा को पशु-पक्षियों का घर भी कहा जाता है।

पर्यटकों के लिए है खास

दार्जिलिंग, सिलीगुड़ी और मिरिक जैसे हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। जबकि माझीधुरा शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर न तो गाड़ी हॉर्न और न होटलों में भीड़ दिखाई देगी। यहां पर आपको सिर्फ प्रकृति और ठंडी-ठंडी हवाओं की आवाजें सुनाई देंगी।

माझीधुरा अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए भी जाना जाता है। यहां पर सुकून के पल बिताने के लिए पर्यटक कैंपिंग, ट्रैकिंग और हाईकिंग का लुत्फ उठाते हैं। माझीधुरा में गर्मी से लेकर सर्दी तक में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं।

मॉक अभ्यास से परखी गई आपदा प्रबंधन एवं त्वरित राहत-बचाव व्यवस्थाओं की तैयारियां

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद में आपदा की संभावित परिस्थितियों के दौरान त्वरित एवं प्रभावी राहत-बचाव कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार को जिला प्रशासन के निर्देशन में आर्मी (8 सिख लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट), डीडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं पुलिस बल द्वारा संयुक्त रूप से मॉक अभ्यास आयोजित किया गया।

मॉक अभ्यास के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा आपदा के दौरान त्वरित सूचना, बेहतर समन्वय, तत्काल रिस्पांस एवं प्रभावी राहत-बचाव की कार्य प्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया गया। मॉक अभ्यास के तहत प्रातः 11: 50 बजे जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को सूचना प्राप्त हुई कि लाटा बाबा के समीप पहाड़ी से मलवा एवं बोल्डर आने के कारण क्षति होने की संभावना है। सूचना प्राप्त होते

ही जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आर्मी (8 सिख लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट), डीडीआरएफ टीम, एसडीआरएफ, पुलिस बल एवं 108 एंबुलेंस को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। घटनास्थल पर पहुंचकर संबंधित टीमों द्वारा संभावित प्रभावित क्षेत्र का जायजा लेने, सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, प्रभावित व्यक्तियों को सुरक्षित निकालने, प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर घायलों को अस्पताल पहुंचाने की कार्रवाई का अभ्यास किया गया। साथ ही घटना स्थल पर विभिन्न रेस्क्यू एवं सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय, सूचना के आदान-प्रदान और उपलब्ध उपकरणों के प्रभावी उपयोग का भी परीक्षण किया गया। मॉक अभ्यास के दौरान यह भी परखा गया कि आपदा की सूचना प्राप्त होने के बाद संबंधित टीमें कितनी तत्परता से घटना स्थल तक पहुंचती हैं तथा उपलब्ध मानव संसाधन, रेस्क्यू उपकरण, एंबुलेंस एवं अन्य आवश्यक संसाधनों को कितनी प्रभावी ढंग से उपयोग में लाया जाता है। इस दौरान आपातकालीन परिस्थितियों में संभावित चुनौतियों के बीच राहत एवं बचाव कार्यों को व्यवस्थित रूप से संचालित करने का अभ्यास किया गया।

मूसलाधार बारिश से सेब की फसल को भारी नुकसान

पुरोला। क्षेत्र में पिछले दो दिन हुई मूसलाधार बारिश ने शिकारू गांव के सेब बागवानों को भारी नुकसान पहुंचाया है। लगातार बारिश के कारण गांव के कई सेब बगीचों में भूस्खलन हुआ जिसका फसल पर असर पड़ रहा है। इससे बागवानों को लाखों के नुकसान की आशंका है।

ग्रामीणों ने बताया कि तेज बारिश के दौरान कई पेड़ों से तैयार हो रहे सेब समय से पहले झड़ गए जबकि कई स्थानों पर भूस्खलन के मलबे में पेड़ दब गए। कई पेड़ों की टहनियां भी क्षतिग्रस्त हुई हैं और बगीचों में जगह-जगह मिट्टी का कटाव होने से भविष्य में भी नुकसान की आशंका बनी हुई है।

क्षेत्र के महिपाल रावत, सूरत सिंह, मनमोहन सिंह ने बताया कि लगातार हो रही बारिश ने सेब उत्पादकों की वर्षों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। उनका कहना है कि एक सेब के बगीचे को तैयार होने में 5 से 6 वर्ष का समय और लगातार देखभाल की आवश्यकता होती है लेकिन प्राकृतिक आपदाओं के कारण बागवानों को बार-बार आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

अटल उत्कृष्ट इंटर कॉलेज अगस्त्यमुनि में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, रुद्रप्रयाग के तत्वावधान में बुधवार को अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, अगस्त्यमुनि में एक दिवसीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को संविधान, कानून, उनके मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा समाज में विधिक चेतना को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में प्रत्येक नागरिक के लिए कानून की मूलभूत जानकारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विधिक जागरूकता व्यक्ति को अपने अधिकारों की रक्षा करने तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में सक्षम बनाती है। उन्होंने बाल अधिकार, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, नशे के दुष्प्रभाव, घरेलू हिंसा, बाल विवाह निषेध, दहेज प्रतिषेध तथा विभिन्न सामाजिक एवं कानूनी विषयों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर, असहाय एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के साथ अन्याय होता है या उसे कानूनी सहायता की आवश्यकता पड़ती है, तो वह टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100 अथवा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर सकता है। इस अवसर पर एडवोकेट देवेंद्र बिष्ट, रिटेनर लॉयर यशोदा खत्री, शिक्षक व स्कूली छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

पुलिस टीम ने पूछी बुजुर्गों की कुशलक्षेम

गोपेश्वर। कोतवाली पुलिस टीम ने बुधवार को सीनियर सिटीजन चिह्नित कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार के निर्देश पर पुलिस टीम ने बुजुर्गों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों और दैनिक समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान बुजुर्गों को साइबर अपराधों से सतर्क रहने तथा बैंक और व्यक्तिगत जानकारी अनजान लोगों से साझा न करने की सलाह दी गई। आपात स्थिति में पुलिस सहायता लेने के लिए हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। पुलिस की इस पहल से बुजुर्गों में सुरक्षा और सम्मान का भरोसा बढ़ा है। पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने कहा कि जनपद के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने थाना क्षेत्र में रहने वाले ऐसे सीनियर सिटीजन/बुजुर्गों को चिह्नित किया जाए, जिनके बच्चे अथवा परिजन उनके साथ नहीं रहते हैं। पुलिसकर्मी नियमित रूप से उनके घर जाकर उनकी कुशलक्षेम पूछे और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएं।

छात्र-छात्राओं को दी अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी

गोपेश्वर। विश्व मानवता दिवस के अवसर पर बुधवार को श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल गोपेश्वर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके विधिक अधिकारों, कर्तव्यों और सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के उपप्रधानाचार्य समीर सिंह राणा ने किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सिविल जज/सचिव पुनीत कुमार ने विद्यार्थियों को मौलिक एवं विधिक अधिकारों, कानूनी प्रावधानों तथा नागरिक कर्तव्यों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने अधिकारों के साथ जिम्मेदारियों को समझने और कानून के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। शासकीय अधिवक्ता समीर बहुगुणा ने भी विभिन्न कानूनी विषयों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग की ओर से नशामुक्ति अभियान के तहत जागरूकता फिल्म दिखाई गई। महिला एवं बाल विकास विभाग, वन स्टॉप सेंटर तथा बाल संरक्षण इकाई ने महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण और सामाजिक कल्याण की योजनाओं की जानकारी दी। प्रधानाचार्य दान सिंह बिष्ट ने कहा कि विधिक जागरूकता विद्यार्थियों में जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना विकसित करती है।

गोल्डन कार्ड की विसंगति दूर करने की मांग

गोपेश्वर। सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन की चमोली शाखा ने अपनी मांगों के संबंध में मुख्यमंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया है। बीते दिनों गोपेश्वर आए आपदा प्रबंधन मंत्री मदन कौशिक के माध्यम से भेजे ज्ञापन में संगठन ने मांगों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

पेंशनर्स संगठन का कहना है कि गोल्डन कार्ड में कई विसंगतियां हैं जिनको दूर किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने गोल्डन कार्ड धारकों को ओपीडी भी निशुल्क करने की मांग की है। इसके अलावा उन्होंने राशिकरण की कटौती 10 साल आठ माह पूर्ण होने पर बंद करने की मांग की है, संगठन का कहना है कि कुछ राज्यों में इस तरह का निर्णय लिया गया है।

छात्रों को किया प्रतिभा और कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित

नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : राजकीय महाविद्यालय सतपुली (खैरासैण) पौड़ी गढ़वाल में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. संजय कुमार ने दीप प्रज्वलन कर किया। प्राचार्य ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देने का आह्वान

किया। कार्यक्रम संयोजक विपिन चंद्र ने पीपीटी के माध्यम से महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों के साथ-साथ प्राध्यापकों तथा छात्र-छात्राओं की विशेष एवं उल्लेखनीय उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न अवसरों एवं सुविधाओं से भी अवगत कराया। उन्होंने छात्रों को अपनी प्रतिभा और कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुमार विमल लखटकिया ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. राकेश इस्टवाल, डॉ. संदीप कुमार, आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. संजीव कुमार, डॉ. ममता बेलवाल, डॉ. वीर सिंह, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. किशोरी के.एल. शाह, मनवीर सिंह, डॉ. एच.के. सेमवाल, श्रीमती विजया, शिक्षणेतर कर्मचारियों सहित नवप्रवेशित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गढ़वाल विश्वविद्यालय से कोई पैरामेडिकल कॉलेज/संस्थान संबद्ध नहीं

जयन्त प्रतिनिधि। श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में पैरामेडिकल पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों और छात्रों को लेकर महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कोई भी पैरामेडिकल पाठ्यक्रम संचालित करने वाला कॉलेज अथवा संस्थान विश्वविद्यालय से संबद्ध नहीं है।

विश्वविद्यालय की स्टैंडिंग कमेटी फॉर एफिलिएशन के अध्यक्ष प्रोफेसर एम.एस. पंवार की ओर से 19 अगस्त 2026 को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि यदि कोई छात्र-छात्रा हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल के नाम का उपयोग करते हुए किसी कॉलेज अथवा संस्थान में पैरामेडिकल पाठ्यक्रम में प्रवेश लेता है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित छात्र-छात्रा की होगी। ऐसे प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय किसी भी प्रकार से जिम्मेदार अथवा उत्तरदायी नहीं होगा। विश्वविद्यालय ने छात्रों से अपील की है कि पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने से पहले संबंधित संस्थान की मान्यता और विश्वविद्यालय से उसकी संबद्धता की सही जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

श्री मद्महेश्वर धाम यात्रा-2026 का पुनः संचालन

यात्रियों की सुरक्षा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में डीएम ने दिए दिशा-निर्देश

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनसुरक्षा एवं व्यापक जनहित में अस्थायी रूप से स्थगित की गई श्री मद्महेश्वर धाम यात्रा-2026 को बुधवार से पुनः संचालित किया गया। उप जिलाधिकारी ऊखीमठ द्वारा पुलिस उपाधीक्षक गुप्तकाशी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग ऊखीमठ, तहसीलदार ऊखीमठ एवं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी रुद्रप्रयाग से प्राप्त अभिमत एवं स्थलीय स्थिति के आधार पर यात्रा पुनः संचालित किए जाने का अनुरोध जिलाधिकारी से किया गया था। प्राप्त जांच आख्या एवं संबंधित विभागों की रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया है। यात्रा के पुनः संचालन के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ट्रॉली स्थल पर भीड़ नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की

तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। यात्रियों के आवागमन को व्यवस्थित करने, महिला एवं वृद्ध यात्रियों की सहायता तथा किसी आकस्मिक स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। यात्रा मार्ग पर किसी दुर्घटना अथवा आपदा की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए एसडीआरएफ, डीडीआरएफ एवं खोज एवं बचाव दलों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही यात्रा प्रारम्भ होने से पूर्व संबंधित विभागों द्वारा मार्ग, पुल-पुलिया, ट्रॉली स्थल, सुरक्षा उपकरण एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का परीक्षण कर मार्ग को यात्रियों के आवागमन हेतु सुरक्षित घोषित किया जाएगा।

ट्रॉली संचालन का समय निर्धारित

यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रॉली संचालन का समय निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार प्रातः 06:30 बजे से 09 बजे तक, 10:30 बजे से 1 बजे तक तथा 02:30 बजे से 06 बजे तक ट्रॉली का संचालन किया जाएगा। निर्धारित अंतराल में विश्राम एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए हॉल्ट रहेगा। संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि यात्रा के पुनः संचालन के दौरान मार्ग की स्थिति, यात्रियों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, आपदा प्रबंधन तथा अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं शासन द्वारा निर्धारित मानकों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुरूप सुनिश्चित हों। यात्रा पुनः प्रारम्भ होने से श्रद्धालुओं को श्री मद्महेश्वर धाम के दर्शन के लिए आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। प्रशासन द्वारा यात्रियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित सुरक्षा निर्देशों एवं संबंधित विभागों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए यात्रा करें।

सितंबर तक विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं मिले तो करेंगे आंदोलन

उत्तरकाशी। जिला अस्पताल में सर्जन और बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती के लिए कांग्रेस ने स्वास्थ्य विभाग को दो सितंबर तक डॉक्टरों की तैनाती की मांग की है। साथ ही ऐसा नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने सीएमओ से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि जिला अस्पताल लंबे समय से विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा है। सर्जन और बाल रोग विशेषज्ञ के पद रिक्त होने से गंभीर मरीजों को उपचार के लिए देहरादून या अन्य जनपदों में रेफर करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव और बढ़ जाता है। ऐसे में जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बेहद जरूरी है। विशेषज्ञों के अभाव में स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा प्रभावित होने के साथ मरीजों और उनके परिजनों को लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है।

नारायणबगड़ और नलगांव क्षेत्र के 10 स्कूलों में 23 अगस्त तक रहेगी छुट्टी

चमोली के नारायणबगड़ क्षेत्र में आवारा और हिंसक कुत्तों के बढ़ते आतंक को देखते हुए प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के मद्देनजर नारायणबगड़ और नलगांव क्षेत्र के 10 विद्यालयों में 20 से 23 अगस्त 2026 तक अवकाश घोषित कर दिया गया है।

प्रमुख क्षेत्र पंचायत नारायणबगड़ द्वारा भेजे गए पत्र और जिलाधिकारी चमोली के निर्देशों के अनुपालन में मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने इसके आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत इस दौरान अध्यापकों को ऑनलाइन माध्यम से शिक्षण कार्य कराने के निर्देश दिए गए हैं।

अवकाश वाले विद्यालयों में रा.आइ.का नारायणबगड़, रा.आइ.का नारायणबगड़, सरस्वती शिशु मंदिर, उत्तरांचल विद्या निकेतन, रा.प्रा.वि. नारायणबगड़, गुरुराम राय पब्लिक स्कूल पंती, रा.प्रा.वि. नलगांव, रा.उ.प्रा.वि. नलगांव, मॉडर्न चिल्ड्रंस एकेडमी और उत्तराखंड विद्यालय निकेतन शामिल हैं।

पुल न होने से मालगाड नदी पार कर मोक्ष घाट पहुंच रहे ग्रामीण

पुरोला। विकास के दावों के बीच पुरोला क्षेत्र के डेढ़ दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीण आज भी अंतिम संस्कार के लिए मालगाड नदी पार करने के लिए मजबूर हैं। वर्ष 2021 की आपदा में बहा आरसीसी पुल पांच साल बाद भी नही बन पाया है। बरसात में तेज बहाव के बीच शवयात्रा निकालना ग्रामीणों के लिए बड़ी जोखिम की स्थिति बन गई है। मालगाड नदी पर बना पुल नगर पालिका क्षेत्र के साथ रामा-कमल सिरांई, जेसाण थोक और आसपास के गांवों को मोक्ष घाट से जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग था। पुल बहने के बाद खलाड़ी, सरमाली, पुजेली, चपटाड़ी, नेत्री, सल्ला, चालनी और करड़ा समेत कई गांवों के लोगों के सामने नदी पार करना ही एकमात्र विकल्प बचा है। क्षेत्र के बलदेव रावत के नेतृत्व में ग्रामीण कई बार जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर पुल निर्माण की मांग कर चुके हैं ।

टीएचडीसी को मिली भल्डगांव के विस्थापन की ड्रोन सर्वे रिपोर्ट

चिन्यालीसौड़ ।ग्रामसभा भल्डगांव के विस्थापन एवं पुनर्वास की मांग को लेकर ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना बुधवार को आठवें दिन भी जारी रहा। इस बीच टीएचडीसी के डीजीएम पुनर्वास राकेश थपलियाल ने बताया कि भल्डगांव से संबंधित ड्रोन सर्वे रिपोर्ट आईआईटी रुड़की से प्राप्त हो गई है। रिपोर्ट का अध्ययन किया जा रहा है और उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। तहसीलदार और पटवारी धरना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने गांव की मौजूदा स्थिति, पूर्व में कराए गए आईआईटी, ड्रोन समेत अन्य सर्वे और लंबे समय से उठाई जा रही विस्थापन की मांग को अधिकारियों के सामने रखा। अधिकारियों ने शासन को प्रस्ताव भेजने का आश्वासन दिया। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि अब केवल आश्वासन और प्रस्ताव की बातें स्वीकार नहीं होंगी।उन्होंने भल्डगांव को तत्काल सुरक्षित स्थान पर विस्थापित कर उचित पुनर्वास की मांग की। साथ ही पूर्व में कराए गए आईआईटी ड्रोन सर्वे और अन्य सर्वे रिपोर्टों को सार्वजनिक करने की मांग उठाई। आंदोलनकारी गोपीनाथ रावत ने कहा कि यदि प्रशासन ग्रामीणों को आंदोलन से उठाना चाहता है तो पहले विस्थापन और पुनर्वास का ठोस समाधान करे। ग्रामीणों ने साफ किया कि सुरक्षित, स्थायी और सम्मानजनक पुनर्वास की प्रक्रिया शुरू होने तक धरना जारी रहेगा।

बदरीनाथ हाईवे : कमेड़ा में करोड़ों के सुरक्षा कार्य धंसे

गौचर। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर गौचर के समीप स्थित कमेड़ा भूस्खलन जोन में हाल ही में करीब 12 करोड़ रुपये की लागत से कराए गए सुरक्षा एवं स्लोप प्रोटेक्शन कार्य धंस गए हैं। निर्माण कार्य पूरा होते ही हाईवे के नीचे की सुरक्षा दीवार ढहने और सड़क का ढांचा प्रभावित होने पर प्रशासन ने एहतियातन कुछ समय के लिए यातायात वन-वे कर दिया है। ऐसे में यहां यात्रियों को जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा है। यहां वर्ष 2013 की भीषण आपदा में अलकनंदा के कटाव से सड़क का बड़ा हिस्सा 500 मीटर गहराई में समा गया था। इस नासूर के स्थायी समाधान के लिए बीते वर्ष भारत कंस्ट्रक्शन कंपनी को नदी तट से हाईवे तक सुरक्षा दीवार और स्लोप प्रोटेक्शन का जिम्मा दिया गया था। मगर यह काम करीब डेढ़ माह भी नहीं टिक पाया। वहीं भारत कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर

उस्मान अली का कहना है कि पहाड़ी पर डेढ़ किमी ऊपर से मंदिर के नीचे तक जमीन के 15-20 मीटर अंदर भारी पानी का रिसाव हो रहा है। इसी भूमिगत इरोजन (क्षरण) के कारण करीब 20 मीटर क्षेत्र में निर्माण क्षतिग्रस्त हुआ है। जल्द इंजीनियरिंग एक्सपर्ट्स को बुलाकर नए सिरे से सर्वेक्षण कराया जाएगा। दूसरी ओर निर्माण ध्वस्त होने पर गौचर, कांग्रेस प्रदेश सचिव मुकेश नेगी व नगर अध्यक्ष जगदीश कनवासी, ग्राम प्रधान कमेड़ा भागवत प्रसाद मैठाणी, व्यापार संघ अध्यक्ष राकेश लिंगवाल, सामाजिक कार्यकर्ता बीरेंद्र सिंह राणा, वार्ड सभासद बंदना राणा, गौरव कपूर, जनकल्याण लोक सेवा समिति के अध्यक्ष सुनील पंवार आदि ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

रामपुर के पास भू-धंसाव का दायरा बढ़ा

फाटा। केदारघाटी में हो रही लगातार बारिश के कारण रामपुर के समीप स्थित हो रहे भूधंसाव का दायरा बढ़ गया है। स्थिति यह है कि सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त होने के बाद अब सड़क का भू-भाग भी धंसने से यहां आवाजाही जोखिमभरी हो गई है। मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों और केदारनाथ व त्रियुगीनारायण जाने वाले श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रामपुर के समीप करीब 60 मीटर मार्ग पिछले कई वर्षों से भू-धंसाव की चपेट में है। इसी वर्ष करीब 50 लाख रुपये की लागत से यहां सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया गया था लेकिन बारिश के दौरान यह कई बार धंस चुकी है। अब यहां भू-धंसाव का दायरा बढ़ गया है। स्थानीय अर्जुन सिंह ने कहा कि हर वर्ष अस्थायी कार्यों पर धन खर्च किया जा रहा है लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

शाहीन शाह अफरीदी ने वनडे में पहली बार झटके 7 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टेस्ट टीम तो इंग्लैंड के दौरे पर है. मगर उस टीम से बाहर चल रहे शाहीन शाह अफरीदी के पुराने तेवर लगता है व्हाइट बॉल क्रिकेट में लौट चुके हैं. ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तान के घरेलू वनडे टूर्नामेंट में जब मैटर सबसे बड़ा दिखा, तो शाहीन वहां शहंशाह की तरह अपनी टीम के लिए खड़े दिखे. उन्होंने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में ना सिर्फ हैट्रिक ली है, बल्कि गेंद से ऐसी आग बरसाई कि वनडे करियर का बेस्ट प्रदर्शन ही कर डाला. नतीजा, ये हुआ कि उनकी टीम टूर्नामेंट की चैंपियन बन गई.

शाहीन अफरीदी ने टीम को फ्रंट से किया लीड

नेशनल चैंपियंस कप 2026 के फाइनल में पाकिस्तान गोल्ड और पाकिस्तान ग्रीन की टीमें आमने-सामने थी. इस मुकाबले में शाहीन अफरीदी पाकिस्तान गोल्ड के कप्तान थे.उनकी टीम ने पहले बैटिंग की और 50 ओवर में 340 रन बनाए. मतलब बल्लेबाजों ने अपना काम कर दिया था. अब बारी गेंदबाजों की थी. स्ट्राइक गेंदबाज होने के नाते कप्तान शाहीन शाह अफरीदी ने इस काम में अपनी टीम पाकिस्तान गोल्ड को फ्रंट से लीड किया.

टीम को बनाया चैंपियन

शाहीन ने गेंद से उगली आग!

पाकिस्तान ग्रीन के सामने पहले से ही 341 रन जैसा बड़ा लक्ष्य था. मगर उसे और भी विकराल बना दिया शाहीन शाह अफरीदी की आग उगलती और विरोधी बल्लेबाजों से सवाल पूछती शाहीन की गेंदों ने. पाकिस्तान ग्रीन के बल्लेबाजों के पास शाहीन की गेंदों का कोई जवाब नहीं था. ऐसे में वो बस एक-एक दम उनके आगे दम तोड़ते दिखे.

शाहीन अफ्रीदी की हैट्रिक

शाहीन अफरीदी की हैट्रिक में पाकिस्तान ग्रीन के जो बल्लेबाज फंसे, उनमें मेहरान मुमताज, सलमान मिर्जा और मोहम्मद हसनेन का विकेट शामिल रहा. शाहीन के इस हैट्रिक के साथ ही पाकिस्तान ग्रीन की पारी का भी अंत हो गया.

टीम को चैंपियन बनाकर हीरो बने शाहीन अफरीदी

शाहीन शाह अफरीदी ने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में अपने वनडे यानी लिस्ट ए करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 8.3 ओवर में 36 रन देकर कुल 7 विकेट लिए और अपनी टीम पाकिस्तान गोल्ड को चैंपियन बनाया. 341 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ग्रीन पूरे 50 ओवर भी बैटिंग नहीं कर सकी और 37.3 ओवर में सिर्फ 239 रन पर ऑल आउट हो गई. इस तरह पाकिस्तान गोल्ड ने फाइनल मुकाबला 101 रन के बड़े अंतर से जीत लिया, जिसके हीरो खुद उसके कप्तान शाहीन शाह अफरीदी बने.

पहले 6 ओवर में 3 विकेट, फिर अगली 15 गेंदों में 4 विकेट

शाहीन अफरीदी ने नेशनल चैंपियंस कप के फाइनल में डाले अपने पहले 6 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए. लेकिन, इसके बाद उन्होंने पाकिस्तान ग्रीन का और बुरा हाल किया. वो और भी ज्यादा मानो खतरनाक हो गए. उन्होंने अगली 15 गेंदों पर 7 रन देकर 4 और विकेट लिए, जिसमें हैट्रिक भी शामिल रही.

संक्षिप्त समाचार

जब गोल्ड जीतने पर राष्ट्रगान बजा, वह पल शानदार था

एरोबिक जिम्नास्टिक्स में इतिहास रचने के बाद अरिहा ने साझा किए अनुभव

मुंबई, एजेंसी। भारतीय एयरोबिक जिम्नास्ट अरिहा पंगमबम ने कुछ हफ्तों पहले एशियन एयरोबिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीता था, जिसके साथ वह एशियन चैंपियनशिप में सीनियर महिला व्यक्तिगत श्रेणी में गोल्ड मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। फिलीपींस में हुए फाइनल में उन्होंने 19.100 अंक हासिल किए, जिसमें आर्टिस्ट्री (कलात्मकता) में 8.650, एग्जीक्यूशन (प्रदर्शन) में 7.600 और डिफिकल्टी (कठिनाई) में 2.850 अंक शामिल थे। इस उपलब्धि के बाद अरिहा ने कहा, जब मुझे यह गोल्ड मेडल मिला, तो वह पल बहुत शानदार था। मैं इसे शब्दों में बयां भी नहीं कर सकती। जब मैंने पोडियम पर अपने देश का राष्ट्रगान बजते हुए सुना, तो उस पल मुझे गर्व भी महसूस हुआ क्योंकि मैं कुछ हासिल कर पाई थी, सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे भारत के लिए। वह बहुत शानदार अनुभव था और मैं उस समय बहुत खुश थी।

22 वर्षीय जिम्नास्ट ने कहा, हम डबल फ्लेक्स फ्लोर, यानी लकड़ी का फ्लोर इस्तेमाल करते हैं। भारत में उत्तराखंड में एक फ्लोर है जो हमें नेशनल गेम्स के दौरान मिला था, लेकिन दुर्भाग्य से, न सिर्फ मैं, बल्कि पूरे भारत के ज्यादातर जिम्नास्ट उस पर ट्रेनिंग भी नहीं कर पाए। हम आमतौर पर रबड़ इंटरलॉकिंग मैट पर ट्रेनिंग करते हैं, इसलिए सिर्फ एक दिन में तालमेल बिठाना हमारे लिए बहुत मुश्किल होता है। प्रतियोगिता से पहले हमें खुद को ढालने के लिए एक दिन की पोडियम ट्रेनिंग दी जाती है, इसलिए हममें से ज्यादातर जिम्नास्ट को मुश्किल होती है, क्योंकि हमें उस फ्लोर पर कभी ठीक से ट्रेनिंग करने का मौका नहीं मिला। यही वह मुश्किल थी जिसका हमने सामना किया।

World Championship

बिना मैच खेले ही प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

नई दिल्ली, एजेंसी। सात्विक-चिराग की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दिलचस्प बात यह है कि इस भारतीय जोड़ी ने अब तक टूर्नामेंट में अपना अभियान शुरू नहीं किया है। सात्विक साईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। सात्विक-चिराग को शुरुआती मैच में वॉकओवर मिला था।

पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक जीत चुकी है। पहले दौर में बाई मिलने के बाद सात्विक-चिराग को दूसरे दौर में स्कॉटलैंड के एलेक्सजेंडर डुन और एडम प्रिंजल का सामना करना था। हालांकि, स्कॉटलैंड की जोड़ी आखिरी मिनटों में हट गई जिससे सात्विक-चिराग बिना मैच खेले ही राउंड ऑफ 16 में पहुंच गए।

मानव सुथार-पडिकल बने जीत के हीरो | **इंडिया-श्रीलंका टेस्ट** | **सीरीज में 1-0 की बढ़त**

गॉल में टीम इंडिया की महाजीत

भारत 600वें टेस्ट में जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने श्रीलंका को 165 रन से हराकर अपना 600वां टेस्ट जीत लिया है। गॉल में 372 रन के टारगेट का पीछा कर रही श्रीलंकाई टीम दूसरी पारी में 206 रन पर ऑलआउट हो गई। पहले टेस्ट में भारत की जीत के हीरो मानव सुथार रहे। उन्होंने मैच में 10 विकेट लिए। राजस्थान के सुथार ने दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। उन्होंने

श्रीलंका 165 रन से हारा
मानव सुथार ने मैच में 10 विकेट लिए
देवदत्त पडिक्कल का शतक

एक ही ओवर में 3 विकेट लेकर श्रीलंका की पारी समेट दी। पहले उन्होंने सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया, फिर प्रभात जयसूर्या को पहली गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लहिरू कुमारा को ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे। देवदत्त पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली। जवाब में श्रीलंका 284 रन पर ऑलआउट हुआ। भारत ने दूसरी पारी में 193 रन बनाए और श्रीलंका को 372 रन का टारगेट दिया। भारत ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराकर मैच अपने नाम कर लिया। श्रीलंका की दूसरी पारी 77.4 ओवर में 206 रन पर सिमट गई। मानव सुथार ने केशरा नुवान्था को बोल्ड कर श्रीलंका की पारी खत्म की और मैच में 10 विकेट पूरे किए।

सुथार ने एक ओवर में 3 विकेट लिए

मानव सुथार ने श्रीलंका की दूसरी पारी के 75वें ओवर में 3 विकेट लेकर मैच का रुख भारत के पक्ष में कर दिया। उन्होंने पहले सोनल दिनूषा को 84 रन पर आउट किया। इसके बाद सुथार ने प्रभात जयसूर्या को पहली ही गेंद पर बोल्ड किया और अगली गेंद पर लाहिरू कुमारा को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। यह टेस्ट में सुथार का लगातार दूसरे मैच में दूसरा 5 विकेट हॉल है।

Football

क्या 2026 विश्व कप की सनसनी केप वर्डे से भिड़ेगी भारतीय टीम?

सितंबर-अक्तूबर में दौरा प्रस्तावित

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत सितंबर-अक्तूबर के बीच केप वर्डे की मेजबानी कर सकता है, दोनों टीमों के बीच दोस्ताना मुकाबले की बातचीत जारी है। केप वर्डे ने 2026 फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली बार नॉकआउट दौर में जगह बनाई थी। भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए आने वाले महीनों में एक और बड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है। सूत्रों के मुताबिक, भारत सितंबर के अंत से अक्तूबर की शुरुआत के बीच हाल में 2026 फीफा विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाली केप वर्डे की मेजबानी कर सकता है। प्रस्तावित मुकाबला 30 सितंबर से 6 अक्तूबर के बीच खेले जाने की संभावना है। हालांकि, मैच की तारीख और आयोजन स्थल को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। 'बातचीत जारी है, लेकिन अभी इसे अंतिम रूप नहीं दिया गया है। हालांकि, इस बात की काफी संभावना है कि भारत 30 सितंबर से 6 अक्तूबर के बीच केप वर्डे की मेजबानी करेगा।'

सूत्र ने कहा, 'मैच का आयोजन स्थल और तारीख आधिकारिक तौर पर फैसला होने के बाद तय किए जाएंगे। इससे जुड़ी प्रक्रियाएं और विचार-विमर्श जारी हैं। उम्मीद है कि जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।'

'विराट बस एक फोन कॉल दूर हैं'

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स ने विराट कोहली के साथ बिताए समय और उनसे मिली सीख को लेकर बड़ा खुलासा किया है. कॉक्स ने बताया कि कोहली उनके लिए सिर्फ एक महान क्रिकेटर नहीं, बल्कि एक मेंटर की तरह रहे हैं. जब भी उन्हें किसी सलाह या मदद की जरूरत होती है, विराट हमेशा फोन के दूसरी तरफ मौजूद रहते हैं. जॉर्डन कॉक्स आईपीएल में आरसीबी टीम का हिस्सा हैं. कॉक्स ने बताया कि उन्होंने विराट कोहली के साथ करीब चार महीने भारत में बिताए.

इस दौरान वह कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने और उनके अनुभव से सीखने में सक्षम रहे. हालांकि कॉक्स ने दोनों के बीच हुई हर बातचीत का खुलासा नहीं किया, लेकिन डेब्यू से पहले कोहली की दी गई सलाह को उन्होंने बेहद खास बताया।

दिल्ली प्रीमियर लीग:

सार्थक नंबर 1

यस ढुल को छोड़ा पीछे, दिल्ली प्रीमियर लीग में छठा पचासा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में सांसद पप्पू यादव के क्रिकेटर बेटे सार्थक रंजन का तूफान जारी है। इस लीग के अपने 7वें मैच में सार्थक ने छठी बार अर्धशतक ठोका है। वहीं वह यश ढुल को पीछे छोड़ते हुए टूर्नामेंट के नंबर 1 बल्लेबाज बन गए हैं। आईपीएल 2026 में केकेआर के स्क्वाड का हिस्सा रहे सार्थक रंजन को एक भी मैच में जगह नहीं मिली थी।

अब इस फॉर्म से उन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। सार्थक ने पुरानी दिल्ली के खिलाफ 32वें मैच में 51 गेंद पर 78 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनकी शानदार पारी के बावजूद उनकी टीम नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स को जीत नहीं मिल पाई। इस मैच में 20 रन से जीत के साथ पुरानी दिल्ली 6 ने अंकतालिका में दूसरे स्थान पर जगह बना ली। सार्थक रंजन ने 100, 64, 95, 65, 57, 59, 10, 78 की पारियां अब तक खेली हैं। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में पहले से ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को 30 रन से मात दी। इस मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली के दोनों इन फॉर्म ओपनर्स सिद्धार्थ जून और यश ढुल खाता भी नहीं खोल सके।

सिनसिनाटी ओपन:

सबालेंका, एंड्रीवा, और गॉफ ने चौथे राउंड में जगह बनाई

सिनसिनाटी, एजेंसी। आर्यना सबालेंका ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। सबालेंका ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में सबालेंका ने वांग शिन्यु को 6-1, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ, सबालेंका अब अपने करियर में 45 डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में राउंड ऑफ 16 में पहुंच गई हैं। उनकी इस जीत ने सिनसिनाटी में जीत के मामले में उन्हें सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे आगे कर दिया है। सबालेंका के नाम अब डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट्स में 50 करियर जीत है। सबालेंका 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से ऐसा करने वाली सेरेना विलियम्स (104) और इगा स्वियाटेक (58) के बाद तीसरी खिलाड़ी हैं।

इस बीच, नंबर 5 सीड मीरा एंड्रीव नंबर 32 सीड जेनिस त्जेन को हराकर चौथे राउंड में पहुंच गईं। एंड्रीव ने 1 घंटे 42 मिनट तक चले इस मैच में 6-1, 7-6(5) से जीत दर्ज की। एंड्रीवा, जो 2024 में टूर्नामेंट में अपनी पिछली एकमात्र उपस्थिति में सिनसिनाटी में क्वार्टर फाइनलिस्ट थीं, ने जून में रोलैंड गैरोस में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद पहली बार लगातार मैच जीते हैं।

अब उनका सामना इस साल चौथी बार नंबर 10 सीड मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक उनके हेड-टू-हेड में 2-1 से आगे हैं, हालांकि पिछली मुलाकात में एंड्रीवा ने रोलैंड गैरोस सेमीफाइनल में कोस्त्युक को हराया था। 2023 की चैंपियन कोको गॉफ ने भी साथी अमेरिकन एन ली पर 6-1, 7-6 (3) से जीत हासिल करके 2026 सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

गॉफ अब अपने करियर के 36वें डब्ल्यूटीए 1000 चौथे राउंड में हैं, जिसमें इस सीजन के छह शामिल हैं। सिनसिनाटी एकल में हिस्सा लेने वाले सक्रिय खिलाड़ियों में सिर्फ एरिना सबालेंका (44), कैरोलिन प्लिसकोवा (44), एलिना स्वितोलिना (43), इगा स्वियाटेक (38) और जेसिका पेगुला (38) के नाम उनसे ज्यादा हैं।